पतञ्जलि विश्वविद्यालय, (हरिद्वार)

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन

वर्ष- 2025-2026

पाठ्यक्रम - B.A. - दर्शन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
के कुछ सामान्य नियम
एवं प्रस्तावना

- परीक्षा में 45% अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही उत्तीर्ण माना जायेगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम तीन वर्ष का होगा।
- प्रत्येक वर्ष 2 सत्र (Semester) में, 2 बार परीक्षाएं होंगी।
- प्रत्येक परीक्षा में छः प्रश्नपत्र होंगे।
- सभी प्रश्न-पत्र 100-100 अंक के होंगे।
- प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 25 अंकों की आन्तरिक परीक्षा एवं 75 अंकों की बाह्य परीक्षा होगी।
- प्रत्येक परीक्षा का निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।

पतंजलि विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF PATANJALI
Patanjali Yog Peeth, Roorkee – Haridwar Road, Haridwar, Uttarakhand 249405
Faculty of Humanities and Ancient Studies
Department of Philosophy

Session 2024-25

BA Darshan

(According to NEP-2020, as per UGC Guidelines dated 07-12-2022)

Semester I

S. No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major	BDPHMJ-101	योगदर्शनबोधः स्मरणञ्च	3	1	4	6
3	Discipline Specific Minor	BDPHMN-102	संस्कृतसाहित्यम् - I (शिक्षासंज्ञानसंहितारघुवंशानि)	3	1	4	6
4	Inter Disciplinary	BDPHID-103(1)	Human Biology	2	1	2	4
		BDPHID-103(2)	कथकनृत्यम्	1	0	6	
5	Ability Enhancement	BDPHAE-104 (1)	सरलमानकसंस्कृतम्	1	0	2	2
		BDPHAE-104 (2)	Russian				
6	Skill Enhancement	BDPHSE-105(1)	योगचिकित्साविज्ञानम् – I	2	0	2	3
		BDPHSE-105(2)	Basic Knowledge of Music (Vocal & Instrumental)	0	0	6	
		BDPHSE-105(3)	Sanskrit and Technology	1	0	4	
7	Value Added	BDPHVA-106(1)	सनातनसंस्कृतिबोधः – I	2	1	0	3
		BDPHVA-106(2)	पर्यावरणविज्ञानम्	2	1	0	
8	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-107	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् – I	0	0	12	0
						Total Credits	24

Semester II

S. No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major	BDPHMJ-201	सांख्यदर्शनबोधः	3	1	0	4
2	Discipline Specific Major	BDPHMJ-202	सांख्यदर्शनस्मरणम्	0	0	8	4
3	Discipline Specific Minor	BDPHMN-203	संस्कृतसाहित्यम् - II (कारकसमासशब्दधातुरूपरघुवंशानि)	3	1	0	4
4	Inter Disciplinary	BDPHID-204(1)	Applied Psychology	3	0	2	4
		BDPHID-204(2)	भरतनाट्यम्	1	0	6	
5	Ability Enhancement	BDPHAE-205(1)	Communicative English	1	0	2	2
		BDPHAE-205(2)	Japanese	1	0	2	2
6	Skill Enhancement	BDPHSE-206(1)	योगचिकित्साविज्ञानम् – II	2	0	2	3
		BDPHSE-206(2)	Intermediate Knowledge of Music (Vocal & Instrumental)	1	0	4	
		BDPHSE-206(3)	कृषिविज्ञानम्	2	0	2	
7	Value Added	BDPHVA-207	सनातनसंस्कृतिबोधः – II	2	1	0	3
8	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-208	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् – II	0	0	12	0
						Total Credits	**24**
For those student(s) who want to carry the course for Second year							**48**

Those student(s) want to exit in Ist year they need to complete Summer Training of credit		**4**
Grand Total		**52**

* 4 credit over and above of 48 credit to be awarded to those students who want to exit to the course after completing summer training

Semester III

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-301	न्यायदर्शनबोधः	4	1	0	5
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-302	न्यायदर्शनस्मरणम्	0	0	8	4
3	Discipline Specific Major-3	BDPHMJ-303	जैनबौद्धचार्वाकदर्शनम्	3	1	0	4
4	Discipline Specific Minor	BDPHMN-304	संस्कृतसाहित्यम् - III (लिंगाअनुशासनकृत्तप्रत्ययभाषाविज्ञानानि)	3	1	0	4
5	Inter Disciplinary	BDPHID-305(1)	Introduction to journalism and mass communication	1	1	0	2
		BDPHID-305(2)	स्वर्णकाल का इतिहास				
6	Ability Enhancement	BDPHAE-306 (1)	Advance Communicative English	1	0	2	2
		BDPHAE-306 (2)	French				
7	Skill Enhancement	BDPHSE-307(1)	सस्वरवेदपाठः	0	0	6	3
		BDPHSE-307(2)	Advance knowledge of Music (Vocal & Instrumental)	1	0	4	
		BDPHSE-307(3)	Computer Application	0	0	6	
		BDPHSE-307(4)	काव्यरचनाकौशलम्	1	0	4	
8	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-308	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् – III	0	0	12	0
						Total Credits	24

Semester –IV

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-401	वेदान्तदर्शनबोधः	5	1	0	6
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-402	वेदान्तदर्शनस्मरणम्	0	0	8	4
3	Discipline Specific Major-3	BDPHMJ-403	वेदान्तीयसम्प्रदायाः	5	1	0	6
4	Discipline Specific Minor-1	BDPHMN-404	संस्कृतसाहित्यम् - IV (चयनितउपनिषदप्रसंगानि)	3	1	0	4
5	Ability Enhancement	BDPHAE-405	Spanish	1	0	2	2
6	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-406	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् – IV	0	0	12	0
						Total Credits	**22**
						For those students who want to carry the course for Third year	**94**
						Those students want to exit in 2nd year they need to complete summer training of credit	**4**
						Grand Total	**98**

***4 credit over and above of 94 credit to be awarded to those students who want to exit to the course after completing summer training**

Semester –V

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-501	वैशेषिकदर्शनबोधः	3	1	4	6
3	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-502	पाश्चात्यदर्शनम्-I	5	1	0	6
4	Discipline Specific Minor	BDPHMN-503	संस्कृतसाहित्यम् - V (श्रीमद्भगवद्गीता 1 से 9)	3	1	2	4
5	Internship	BDPHSE-504	समन्वितचिकित्सापद्धतिः	0	0	8	4
6	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-505	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् - V	0	0	12	0
						Total Credits	**22**

Semester – VI

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-601	मीमांसाज्योतिषप्रबोधः	3	1	0	4
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-602	भारतीय दर्शनों का इतिहास एवं मीमांसा	3	1	0	4
3	Discipline Specific Major-3	BDPHMJ-603	पाश्चात्यदर्शनम्-II	5	1	0	6
4	Discipline Specific Minor-1	BDPHMN-604	संस्कृतसाहित्यम् - VI (श्रीमद्भगवद्गीता10 से 18)	3	1	0	4
5	Reaserch Related Courses/Activities	BDPHRE-605	लघुशोधप्रबन्धः	2	0	4	4
6	Yoga Practical (Non Creadit)	BDPHVA-606	प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् - VI	0	0	12	0
						Total Credits	**22**
For those students who want to carry the course for UG Forth year or PG First year							**138**

विषय विशेषज्ञा

प्रो. शिवानी वी.
डीन-शास्त्रसंकाय कर्नाटक संस्कृत
विश्वविद्यालय, बैंगलुरू

विषय विशेषज्ञ

प्रो. ब्रजभूषण ओझा
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी

विभागाध्यक्षा

प्रो. साध्वी देवप्रिया
दर्शन विभाग
पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम- B.A.- दर्शन प्रथमवर्ष

Semester-I

BDPHMJ-101 - योगदर्शनबोधःस्मरणञ्च

क्रेडिटः-06
घण्टेंः-90

उद्देश्यः-

- योग एवं योग से सम्बन्धित भाष्य वार्तिक टीकाओं से परिचय करवाना।
- पातञ्जल योगसूत्र के चारों पादों के सूत्रार्थ एवं भावार्थ से अवगत कराना।
- योग सूत्रों को कण्ठस्थ कराना।

पातञ्जल योगसूत्र

इकाई प्रथम- दर्शन साहित्य का परिचय (25 घण्टे)

इकाई द्वितीय- समाधिपाद सूत्रार्थ एवं भावार्थ (25 घण्टे)

इकाई तृतीय- साधनपाद सूत्रार्थ एवं भावार्थ (25 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- विभूतिपाद सूत्रार्थ एवं भावार्थ (20 घण्टे)

इकाई पञ्चम- कैवल्यपाद सूत्रार्थ एवं भावार्थ (10 घण्टे)

परिणामः-

- योग एवं योग से सम्बन्धित भाष्य, वार्तिक एवं टीकाओं का विशेष ज्ञान होगा।
- योगदर्शन के चारों पादों के सूत्रार्थ एवं भावार्थ की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी।
- योगसूत्र शुद्ध उच्चारणपूर्वक कण्ठस्थ होगा।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- योगदर्शन- स्वामी योगर्षि रामदेव, दिव्य प्रकाशन, हरिद्वार।
पातञ्जलयोगदर्शनम् - डॉ. आचार्या साध्वी देवप्रिया, दिव्य प्रकाशन, हरिद्वार।
पातञ्जलयोगदर्शनम् - हरिहरानन्द आरण्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

BDPHMN-102 संस्कृतसाहित्यम् - I

क्रेडिटः-06
घण्टेंः-90

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1. संस्कृत व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्रदान कराना।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा का बोध कराना।
3. संज्ञाओं का ज्ञान कराना।
4. सन्धि प्रकरण से परिचित कराना।

प्रथम इकाई- शिक्षाप्रकरणम् - (25 घण्टे)

अकुह विसर्जनीयाः कण्ठ्याः, इचुयशास्तालव्याः, ऋटुरषा मूर्धन्याः, लत्तुलसा दन्त्याः, एदैतो कण्ठ्यतालव्यौ, ओदौतौ कण्ठय्औष्ट्यो इत्यादयः।
अभ्यान्तर प्रयत्न, बाह्यप्रयत्न, स्पृष्टकरणा स्पर्शाः, ईषद्स्पृष्टकरणा अन्तस्थाः, ईषद् विवृतकरणा ऊष्माणः इत्यादयः ।

द्वितीय इकाई- संज्ञाप्रकरणम् - (15 घण्टे)

वद्धिरादैच्, अदेङ्गुणः, हलोऽनन्तराः संयोगः, मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः,अचोऽन्त्यादि टि, अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा, शि सर्वनामस्थानम्, सुडनपुंसकस्य, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम् इत्यादयः ।

तृतीय इकाई- संहिताप्रकरणम्, (15 घण्टे)

इको यणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, अकः सवर्णे दीर्घः, वान्तो यि प्रत्यये इत्यादयः।

अच् सन्धि - अमि पूर्वः, एङि पररूपम्, ऋत् उत्, ङसिङसोश्च, इत्यादयः।

हल् सन्धि - खरि च,ष्टुनाष्टुः, स्तोःश्चुना श्चुः, हलो यमां यमि लोपः, झरो झरि सवर्णे, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः इत्यादयः।

चतुर्थ इकाई- रघुवंश महाकाव्यम् - प्रथमः सर्गः । (25 घण्टे)

परिणाम-

1. संस्कृत व्याकरण के आधारभूत ज्ञान से शब्दों की वैज्ञानिक पद्धति से परिचित हो जाता है।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा के बोध से वर्णों एवं शब्दों के शुद्धतापूर्वक उच्चारण व उत्कृष्ट संस्कृत संभाषण करने व कराने में समर्थ हो जाता है।
3. संज्ञाओं के ज्ञान से उसके पहचान करने व कराने में समर्थ हो जाता है।
4. सन्धियों के परिचय से सन्धि विच्छेद व शब्दार्थ बोध करने व कराने में सक्षम हो जाता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-

रघुवंश महाकाव्यम् - प्रकाशक- चौखम्भा ओरियन्टालिया, दिल्ली - 11007, (भारत)।

व्याकरण चन्द्रोदय 1-डॉ. आचार्या साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन।

सहायक ग्रन्थ- वर्णोच्चारण शिक्षा सूत्राणि, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी।
प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी-221001

BDPHID-103(1) HUMAN BIOLOGY

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

Objective:-

Anatomical and physiology terms: 1. An introduction to anatomical terms and planes

2. Body systems: A brief outline of the body's different systems

Unit 1: Cell and Skeletal System (12 hours)

- Cell: Definition, Prokaryotic vs Eukaryotic, Structure & Organelles.

- Cell membrane physiology with transportation of various substance across cell membrane.

- Types of bones, features, functions, and anatomical terms.

- Bone cells: Types & Functions

- Joints: Synovial Joints Types, Structures, Movements

- Spine and Vertebral Column

- Yogic Perspective: Effect of yoga asanas on skeletal alignment and bone health.

Unit 2: Muscular System (12 hours)

- Types of muscles: Skeletal, Cardiac, Smooth

- Muscle Anatomy & Physiology

- Neuromuscular junction, Muscle fatigue.

- Physiology of muscles contraction.

- Yogic Perspective: Effects of yoga postures on muscle tone, flexibility, and endurance

Unit 3: Respiratory System (12 hours)

- Gross Anatomy of Respiratory Tract.

- Function of respiratory system.

- Mechanics of Breathing,

- Exchanges and transport Gases.

- Control of Respiration.

- Lung volume and capacities.

- Yogic Perspective: Pranayama and its effect on lung capacity, oxygen utilization

Unit 4: Cardiovascular System (12 hours)

- Structure and functional anatomy of cardio vascular system, Heart, Blood vessels, Valves, types of circulation.

- Blood Composition, Function of blood, ABO blood group system.

- Structure, Types & Function of Hemoglobin.

-Cardiac cycle and heart sound.

- Systemic arterial blood pressure and its control.

- Stroke volume, cardiac output and venous return.

- Yogic Perspective: Role of yoga in circulation, heart rate, and cardiac health

Unit 5: Lymphatic and Immune System (12 hours)

- Lymphoid Organs: Thymus, Spleen, Bone Marrow

- Lymph Composition and Flow

- Innate vs Acquired Immunity

- Antigen, Antibody, Autoimmunity

- Yogic Perspective: Yoga's role in immune modulation and detoxification

Practical Syllabus

Unit 1: Osteology & Myology Demonstration

- Identification of bones and muscles using charts, models, and cadaver images

- Palpation and surface anatomy demonstration

Unit 2: Cardiopulmonary Organs & Viscera Demonstration

- Charts, plastinated models, and organ specimens.

- Determination of ABO blood group and Rh.

-Recording of blood pressure in human beings and study of effects of exercise on blood pressure.

- Demonstration of Electro cardiograph (ECG)

- Demonstration of Spirometry.

- Functional correlation with yogic breathing and heart health

Unit 3: Bones and Joints Demonstration

- Movements of joints (flexion, extension, rotation)

- Types of joints with yoga-based movement analysis

Unit 4: Human Skeleton Demonstration

- Full skeletal articulation

- Postural analysis in relation to yoga poses

Books and References

- Tortora, G.J. & Derrickson, B.N. (2009). Principles of Anatomy and Physiology (14th ed.). Wiley.

- Guyton, A.C. & Hall, J.E. (2006). Textbook of Medical Physiology (11th ed.). Elsevier.

- Ross & Wilson. (2010). Anatomy and Physiology in Health and Illness (11th ed.). Elsevier.

- Pandya, K.K. (1998). Human Anatomy. Varanasi: Krishnadas Academy.

- Frawley, D., & Kozak, S.S. (2006). Yoga for Your Type. New Age Books.

- Kaminoff, L. (2007). Yoga Anatomy. Human Kinetics.

- Udupa, K.N. (2007). Stress and Its Management by Yoga. Motilal Banarasidas.

- Robin, Mel. (2002). A Physiological Handbook for Teachers of Yogasana. Fenestra.

- Ramdev, S. (2006). Yoga Sadhana & Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.

- McCall, T. (2007). Yoga as Medicine. Bantam Dell.

- Khalsa, S., Cohen, L., Call, T. & Telles, S. (2016). The Principles and Practice of Yoga in Health Care. Handspring Publishing.

- Balkrishna, A. (2007). Yoga in Synergy with Medical Science. Divya Prakashan.

BDPHID-103(2) कथकनृत्यम्

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

Learning Objective

The Introductory level course aims to:

1. Provide foundational knowledge of Kathak technique, history and aesthetics.
2. Develop basic body alignment, posture, hand movements and footwork.
3. Introduce the student to taal structure, layakari and Kathak repertoire.
4. Build confidence in stage performance, expression and classroom discipline.
5. Nurture sensitivity towards Indian cultural values and the guru–shishya learning tradition.

Learning Outcomes

By the end of the course, the learner will be able to:

- Demonstrate basic tatkaar and bhramari with correct posture and rhythm.
- Present elementary nritta sequences with understanding of taal and laya.
- Identify Gharanas, repertoire parts and basic terminologies of Kathak.
- Perform a short Vandana / Thumri / Gat-Bhava with introductory Abhinaya.
- Integrate theoretical learning into practical performance and classroom discipline.

Course Structure

Unit	Content Focus
Unit 1 (Theory)	Introduction to Indian Classical Dance system; origin and development of Kathak; contribution of temple & court tradition to the evolution of Kathak.
Unit 2 (Theory)	Basic Kathak terminology – Nritta, Nritya, Natya, Taal, Laya, Matra, Theka; Introduction to Gharanas – Lucknow, Jaipur & Banaras (distinctive features); Repertoire components – Thaat, Aamad, Tatkaar, Tihai, Chakri, Gat.
Unit 3 (Practical)	Body conditioning, posture, torso & hand movement alignment; Eye & neck exercises; Basic Tatkaar (single, dugun, chaugun); Teentaal padhant and theka recitation; Thaat + Aamad + simple Toda–Tukda + Tihai.
Unit 4 (Practical)	Chakkars (slow and madhya laya), Vandana / Krishna / Shiva / Devi presentation OR basic Gat–Bhava; Stage discipline, padhant, salutation, basic costume and stage presence.

Assessment Pattern

Component	Weightage
Theory (Written / Viva)	30%
Practical Internal	20%
Final Practical Performance	50%

Detailed Study Material (Reference Books)

Title	Author	Publisher	Place	Year
Kathak Darpan	Pt. Birju Maharaj	Arya Book Depot	New Delhi	1994
Natyashastra (Selected Chapters)	Bharat Muni	Munshiram Manoharlal Publishers	New Delhi	2018 (Reprint)
Kathak Nritya Ka Itihas	Dr. Puru Dadheech	Lokbharti Prakashan	Allahabad	2001
Nritya Sarvasva	Pt. Rohini Bhate	Sharada Prakashan	Pune	1998
Abhinaya Darpan	Nandikeshwar	Khemraj Shrikrishnadas Publishing	Mumbai	2010 (Reprint)
Indian Classical Dance: Tradition in Transition	Kapila Vatsyayan	Abhinav Publications	New Delhi	1977

BDPHAE-104 (1) - सरल-मानक-संस्कृतम्

क्रेडिटः-02 (1L, 2P)
घण्टेंः-45

Course Objective:

The course will be able to,

Equip learners with the ability to engage in basic conversations in Sanskrit on everyday topics, such as greetings, introductions, and common social interactions.

Improve learners' ability to understand spoken Sanskrit in various conversational contexts.

Improve learners' ability to read, write and understand the basic Sanskrit writings.

इकाई प्रथम- भाषा परिचयः (10 घण्टे)

संस्कृतभाषापचियः, स्वपरिचय, संख्या शब्दरूपाणि - राम, हरि, गुरु, सीता, पुस्तक जगत्, भगवत्, राजन्, तद् (त्रिलिंगेषु), किम् (त्रिलिंगेषु)। धातुरूपाणि - भू, पठ्, लिख्, गम्, कृ, वह, हस्, सेव्, (लट्, लृट, लोट्, लङ्., विधिलिङ्. मात्रम्) सन्धि परिचय - विसर्गसन्धिः, अचसन्धिः, हल्-सन्धिः।

इकाई द्वितीय- वाक्यरचना (11 घण्टे)

वर्तमानकालः (प्रथमपुरुष, एकवचनम्, बहुवचनम्, उत्तमपुरुष) संख्या, भविष्यत्कालः, भूतकालः,कालपरिवर्तनम्, समयः, देहाङ्गानि लिङ्गभेदः, विभक्तिभेदः, विशेषणम्, अव्ययम्, बन्धुवाचकाः।

इकाई तृतीय- प्रसङ्गवाचनम् (10 घण्टे)

अभिवादनम्, नैतिक-मूल्यानि, विद्यालयस्य कक्षाणाञ्च नियमाः कक्षानिर्देशाः (चयनितवाक्यानि), कक्षासम्भाषणम् (चयनितवाक्यानि), दैनिकचर्या।

इकाई चतुर्थ- संस्कृतलेखनम् १ (7 घण्टे)

वेदवेदाङ्गानां महत्वम्, मुखं व्याकरणं स्मृतम्, उपनिषदां महत्वम्, संस्कृतभाषायाः महत्वम्, संस्कृतस्य रक्षार्थं प्रसारार्थं चोपायाः

इकाई पञ्चम- संस्कृतलेखनम् २ (7 घण्टे)

भारतीयदर्शनानां महत्वं वैशिष्ट्यं च, नास्ति सांख्यसमं ज्ञानम्, एकं सांख्यं च योगं च यः पश्यति स पश्यति, नास्ति योगसमं बलम्, पुराण लक्षणम् तेषां महत्वं च।

निर्धारितग्रन्थाः

1. संस्कृतस्वाध्यायः-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रिसंस्कृतसंस्थानम्, नई दिल्ली।
2. अध्यापकैः छात्रैः च प्रयुज्यमानानि हिन्दी-आङ्ग्ल-संस्कृतभाषाणां सामान्यवाक्यानि।, बाबा-भूमनशाह-विद्यामन्दिरम् साधना-केन्द्र-आश्रमः, देहरादूनम्।

सन्दर्भग्रन्थाः

1. वाक्यव्यवहारावलिः-श्रीमद्दयानन्दकन्यागुरुकुलम्, चोटीपुर
2. संस्कृतनिबन्धशतकम्, लेखक- डॉ0 कपिल द्विवेदी, प्रकाशन-विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

Course Outcomes:

After completing the course, students will be able to,

Hold simple dialogues, ask and answer questions, and respond appropriately in social settings using basic Sanskrit vocabulary and sentence structures.

Comprehend and interpret short spoken passages, identify key information, and follow along with basic conversations in Sanskrit. Write on various topics in simple Sanskrit.

BDPHAE-104 (2) - Russian

RUSSIAN LANGUAGE (CERTIFICATE COURSE)	
Course Objectives: * Provide students with foundational knowledge of elementary Russian grammar. * Develop essential conversational skills in the Russian language. * Build proficiency in reading and comprehension of Russian texts. * Enable students to perform basic translations between Russian and English. * Establish correct pronunciation using the Russian stress system and intonation patterns.	
Unit 1: Russian I – Phonetics and Basic Sentences	
Topics	**Prescribed Texts**
Introduction of alphabets (Vowels/Consonants) and sounds	Russian for Beginners by Y.G. Ovsienko
Pronunciation Rules: Stress system and reduction of vowels	Russian in Exercises by S.A. Khavronina
Voiced/Voiceless consonants and Intonation constructions (IC)	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Simple sentence formation	Russian in Exercises by S.A. Khavronina and Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Unit 2: Russian I (Cont.) – Grammar Fundamentals	
Topics	**Prescribed Texts**
Gender of Nouns and Personal/Possessive pronouns	Russian for Beginners by Y.G. Ovsienko
Interrogative words ("кто", "что", "где")	Essential Russian by Abhai Maurya
Declension of nouns and adjectives (Nominative, Prepositional, Accusative)	Road to Russia (Elementary Level 1.1)
Vocabulary: About me, My house, Family, Food, and Shopping	Russian for Beginners by Y.G. Ovsienko
Unit 3: Russian II – Intermediate Grammar and Tenses	
Topics	**Prescribed Texts**
Declension in Dative, Genitive, and Instrumental cases (Singular)	Russian in Exercises by S.A. Khavronina
Use of Numerals and Ordinal numbers	28 Russian Lessons for Beginners by Miller & Politova
Simple Future and Past Tense usage	Russian for Beginners by Y.G. Ovsienko
Modal verbs (должен, мочь)	Russian for Beginners by Y.G. Ovsienko
Unit 4: Russian III – Advanced Communication	
Topics	**Prescribed Texts**
Direct/Indirect speech and Complex sentences	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Aspects of verbs and Verbs of Motion	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Translation (Russian to English and vice versa)	Essential Russian by Abhai Maurya
Topics: My University, Traveling, and Telling Time Self-introduction	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Unit 5: Russian IV – Advanced Communication	
Topics	**Prescribed Texts**
Verb of motion (one-direction and multi-direction), Future tense	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Vocabularies	Russian by V.N. Wagner and Y.G. Ovsienko
Translation and grammar practice	Russian in Exercises by S.A. Khavronina

Russian Language: Course Outcomes

By the end of this course, students will have developed a foundational proficiency in the Russian language, enabling them to navigate both academic and real-world scenarios. Specifically, students will be able to:

* Phonetic Mastery: Accurately identify and pronounce all characters of the Cyrillic alphabet, demonstrating a command of Russian phonetic sounds and intonation patterns.
* Functional Communication: Engage effectively in essential interpersonal exchanges, including sharing personal information, conducting transactions while shopping, and discussing daily routines.
* Grammatical Precision: Apply the correct grammatical declensions for nouns, adjectives, and pronouns across the Russian case system to ensure structural accuracy in speech and writing.
* Literacy and Translation: Read, comprehend, and translate foundational Russian texts, identifying key themes and vocabulary in context.
* Social Navigation: Confidently manage practical social interactions, such as ordering at restaurants, requesting directions, and providing detailed descriptions of people and environments.

Method of Teaching & Assessment

* Digital Integration: Curated internet resources and interactive platforms are used to reinforce grammar and vocabulary through real-time application.
* Multimedia Engagement: Specialized YouTube channels and audiovisual content are integrated to expose students to native speakers, diverse accents, and contemporary cultural contexts.
* Continuous Assessment: Student progress is monitored through a combination of written exercises, oral examinations, and listening comprehension tasks to ensure all learning outcomes are met.

क्रेडिट:-03
घण्टें:-45

BDPHSE-105(1) **योगचिकित्सा - I**

उद्देश्य :

- भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति के समन्वित् स्वरूप का बोध कराना ।
- समन्वित चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अभ्यास द्वारा साध्य एवं असाध्य रोगो का निदान।
- योग, आयुर्वेद, पञ्चकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी, आहार चिकित्सा, यज्ञचिकित्सा, एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं फिजियो थैरेपी जैसे समन्वित् भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक बोध द्वारा योग्य एवं प्रशिक्षित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

इकाई 1- योग एवं स्वास्थ्य (9 घण्टे)

इकाई 2- आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य (9 घण्टे)

इकाई 3- आहार चिकित्सा (9 घण्टे)

इकाई 4- व्याधियों के अनुसार पथ्यापथ्य (9 घण्टे)

इकाई 5- प्राथमिक चिकित्सालय अथवा रसोई घर (9 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकम्-

उपचार पद्धति, प्रकाशन- द्विव्य प्रकाशन, द्विव्य योग मन्दिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

परिणाम :

- समन्वित चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित विद्यार्थी समाज में साध्य-असाध्य रोगों से पीड़ित रोगियों को उपचार देकर उन्हें सम्पूर्ण आरोग्य का लाभ प्रदान करता है एवं भारतीय पुरातन चिकित्सा व्यवस्था के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है ।
- सेवा निष्ठा आजीविका का आलम्बन लेकर स्वयं आत्मनिर्भर होता हुआ अन्यों को भी रोजगार परक सेवा क्षेत्र में नियोजित करता है, उपकार परख उपचार की एक स्वस्थ परम्परा का संवाहक बनकर समाज को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के मार्ग पर अग्रसर करता है ।

BDPHSE-105(2)

Credit:-03

Hours:-45

Basics Knowledge of Music (Vocal & Instrumental)

Objective-

- Understand the fundamental concepts of music, including its origins, methods, types, and forms
- Explore the nature of sound, its origin, and the elements of music such as notes, pitches, and rhythm. Learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics. Gain knowledge of basic musical notes, scales, and octaves.Practice to Sing five Bhajans.
- Understand the concept of Raag, its rules, classifications, and basic characteristics. Identify the ten Thaats and learn about their significance in Raag classification. Recognize three Raags belonging to each of the ten Thaats.
- Study the lives and contributions of prominent musicians.

UNIT- I Basic Knowledge & Definition of Music, Its Origin, Its Methods, Brief about Uttar bhartiya & Carnatic Music , Margi /Desi Sangeet. **12 Hours**

UNIT- II Sound, Origin of Sound, Nada, Types of Nada (Aahat/Anahat), Shruti, Swar, Types of Swar, Andolan, Knowledge of 7 Basic Notes & 5 vikrit Notes, Saptak,Types of Saptak.
Bhatkhande Swarlipi padhhati, **Definitions**: Alankar, Matra, Sama, Laya, sthai, Antra, **Kulgeet of UOP**,
5 Alankars (According to Bhatkhande kramik Pustak Malika-1),
Relation between Music & Yog, Basic Knowledge of Music Therapy & Its Benefits. Basic Music Related Five shlokas from the Book Raag & Taal Parichay Bhaag –All Parts, Basic Introduction of **"TeenTal",** Labeled Diagram of Harmonium, Labeled Diagram of Tabla, An Elementry introduction of types of instruments- Tatta , Sushir, Avanaddha, Ghana. **12 Hours**

UNIT- III Practice of "AUM" in Kharaj, Breathing Exercise to improve Voice Range and Vocal exercise of 5 Alankars (According to Bhatkhande kramik Pustak Malika-1), Practice of Twelve Swars in Saptak,Practice of Two Bhajan,One Patriotic Song,Kulgeet, Five Swastivachan Mantra, Practice of Musical Meditation in Primary stage for Concentration. **12 Hours**

UNIT- Iv **Harmonium:-** Playing Skills of Yagya Prarthna, One Bhajan.
Tabla:- Elementry Practice of Some Tabla Bols(Na Ti Teen, Dha Dhi Dheen), Musical Chart Paper/Model. **9 Hours**

Outcomes:-

- Students will know what music is, where it comes from, and the different types it can have.
- Students will understand how sound works and learn about notes, pitches, and how they change in music.They will learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics.Students will acquire knowledge of basic musical notes, scales, and octaves, and practice singing five Bhajans.
- Students will learn about Raag, its rules, and different types, helping them appreciate Indian classical music better.

Students will discover the lives of famous musician and understand their importance in music history.

Reference Books - 1. Sangeet Rachna Ratnakar Part -1 - Rajkishor Prasad Sinha(Author)

2. Raag Parichaya Part -1 to 4 – Harishchandra Srivastava(Author)

3. Sangeet Prasnottar Part-1

4. Taal Parichaya –All Parts - Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)

5. Adarsh Tabla Prashnotari Part-1- Dr. Rubi Shrivastava

6. Sangeet Praveshika- Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)

7. Kramik Pushtak Mallika Part –All Parts – V. N. bhatkhande

8. Bhartiya Sangeet Itihas – Umesh & Jaydev Joshi

9. Sangeet Vadya -Ragmani

BDPHSE-105(3) -Sanskrit and Technology Credit:-03

Hours:-45

Objectives:

- Introduce students to the basic concepts of computers and the fundamental tasks of the computers.
- Provide students with knowledge of computer networks, the internet, and how to use web browsers and electronic mail effectively for academic and personal purposes.
- Enable students to use word processing, spreadsheet, and presentation software effectively.
- Introduce students to online tools for Sanskrit learning and practice, including typing, transliteration, and other Sanskrit-specific applications.

Unit 1 Computer Fundamentals (8 hours)

What is Computer, Basic Applications of Computer; Components of Computer System, Computer Memory, Concepts of Hardware and Software; What is an Operating System; Basics of Popular Operating Systems; The User Interface, Folders and Directories, Creating and Renaming of files and folders, Opening and closing of different Windows.

Unit 2 Introduction to Internet, WWW and Web Browsers (7 hours)

Basic of Computer networks; LAN, WAN; Concept of Internet; Applications of Internet; connecting to internet; World Wide Web; Web Browsing software, Basics of electronic mail

Unit 3 Understanding Word Processing/MS Office (12 hours)

Word Processing Basics; Opening and Closing of documents; Formatting of text; Table handling; Spell check,

Using Spread Sheet: Basics of Spreadsheet; Manipulation of cells; Formulas and Functions; Editing of Spread Sheet,

Making Small Presentation: Basics of presentation software; Creating Presentation; separation and Presentation of Slides; Slide Show; Taking printouts of presentation / handouts.

Unit 4 Online Sanskrit Tools (6 hours)

Samsâdhanî, Sambhâcâ, Sanskrit Heritage, Tools by IIT Kharagpur

Unit 5 Practical Sanskrit (12 hours)

Sanskrit Typing and Transliteration (Roman Diacritics)

Outcomes:

- After successfully completing the course, Students will be able to
- 1.Identify the components of a computer system and effectively manage files and folders within an operating system.
- 2.Demonstrate the ability to connect to the internet, browse the World Wide Web using web browsers, and use email systems efficiently for communication and information gathering.

- 3.Create and format the documents in Word, work with spreadsheets in Excel, and prepare presentations using PowerPoint, including the use of basic functions and formulas.
- 4.Develop proficiency in typing Sanskrit, using Roman Diacritics for transliteration, and applying online Sanskrit tools for enhanced language learning and practice.

References:

· Fundamentals of Computers by Rajaraman V
· Computer Fundamentals by P K Sinha

BDPHVA-106(1) - सनातनसंस्कृतिबोधः - I

क्रेडिटः-03
घण्टेंः-45

उद्देश्य

- ऋग्वेद एवं यजुर्वेद के चयनित सूक्त एवं मन्त्रों से अवगत कराना।
- वैदिक षड्दर्शनों का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान कराना।
- गीता एवं उपनिषद् के प्रसिद्ध प्रसंगों का बोध कराना।
- भारतीय नीति ग्रन्थों एवं षोडश संस्कारों से अवगत कराना।

इकाई १- ऋग्वेद एवं यजुर्वेद के चयनित मंत्र (9 घण्टे)

इकाई २ - योग, सांख्य, वैशेषिक, न्याय, वेदान्त, मीमांसा दर्शनों का सामान्य परिचय (9 घण्टे)

इकाई ३ - श्रीमद्भगवद्गीता एवं उपनिषद् (ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डुक्य, प्रश्न) के चयनित प्रसंग (9 घण्टे)

इकाई ४ - नीति गन्थों का परिचय (चाणक्यनीति, विदुरनीति, भर्तृहरि) (9 घण्टे)

इकाई 5 - सोलह संस्कारों का विस्तृत वर्णन (9 घण्टे)

परिणाम

- वेद के कतिपय प्रसिद्ध सूक्त एवं मन्त्रों का शुद्धतापूर्वक वाचन एवं व्याख्यान करने में विद्यार्थी समर्थ हो जाता है।
- वैदिक षड्दर्शनों के सिद्धान्तों के तुलनात्मक विश्लेषण में दक्ष हो जाता है।
- गीता एवं उपनिषद् के उपर्युक्त चयनित प्रसंगों का अधिगम होगा।
- नीति-शास्त्रों एवं षोडश संस्कारों का विशद् ज्ञान अर्जित होगा।

निर्धारित ग्रन्थ- भारतीय संस्कृति बोध, प्रो0 साध्वी देवप्रिया, दिव्यप्रकाशन

Credit:-03
Hours:-45

BDPHVA-106(2) पर्यावरणविज्ञानम्

THE OBJECTIVES OF ENVIRONMENTAL SCIENCE ARE:

(a) Creating the awareness about Environmental Problems among the students.
(b) Imparting basic knowledge about the Environment and its allied problems and solutions.
(c) Developing an attitude of concern for the environment.
(d) Motivating public to participate in environment protection and environment improvement.
(e) Acquiring skills to help the concerned individuals in identifying and solving environmental problems.
(f) Striving to attain harmony with Nature.

COURSE SPECIFIC OUTCOMES

The course will empower the undergraduate students by helping them to:

• Gain in-depth knowledge on natural processes and resources that sustain life and govern economy.

• Understand the consequences of human actions on the web of life, global economy, and quality of human life.

• Develop critical thinking for shaping strategies (scientific, social, economic, administrative, and legal) for environmental protection, conservation of biodiversity, environmental equity, and sustainable development.

• Acquire values and attitudes towards understanding complex environmental economic- social challenges, and active participation in solving current environmental problems and preventing the future ones.

• Adopt sustainability as a practice in life, society, and industry.

Unit 1: Multidisciplinary nature of Environmental Science and Classification of Natural Resources

(6 lectures)

Definition, scope and importance, Need for public awareness

Renewable and non-renewable resources:

Natural resources and associated problems

a) Forest resources: Use and over-exploitation, deforestation, case studies. Timber extraction, mining, dams and their effects on forest and tribal people.

b) Water resources: Use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams-benefits and problems.

c) Mineral resources: Use and exploitation, environmental effects of extracting and using mineral resources, case studies.

e) Energy resources: Growing energy needs, renewable and non-renewable energy sources, use of alternate energy sources. Case studies.

f) Land resources: Land as a resource, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification

• Role of an individual in conservation of natural resources.

• Equitable use of resources for sustainable lifestyles.

Unit 2: Ecosystems and Functions: **(8 lectures)**

- Biosphere and its formation

• Concept of an ecosystem

• Structure and function of an ecosystem

• Producers, consumers and decomposers

• Energy flow in the ecosystem

• Ecological succession

• Food chains, food webs and ecological pyramids

• Introduction, types, characteristic features, structure and function of the following ecosystem :-

Forest ecosystem, Grassland ecosystem, Desert ecosystem, Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

Unit 3: Biodiversity and Conservation **(8 Lectures)**

• Introduction – Definition: genetic, species and ecosystem diversity.

• Value of biodiversity: consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values

• Biodiversity threats

• Hot-sports of biodiversity

• Threats to biodiversity: habitat loss, poaching of wildlife, man-wildlife conflicts.

• Endangered and endemic species of India

• Conservation of biodiversity: In-situ and Ex-situ conservation of biodiversity.

Unit 4: Environmental Pollution **(6 lectures)**

Definition

• Cause, effects and control measures of:-

a. Air pollution

b. Water pollution

c. Soil pollution

e. Noise pollution

g. Nuclear hazards

• Solid waste Management: Causes, effects and control measures of urban and Industrial wastes

• Role of an individual in prevention of pollution.

• Disaster management: floods, earthquake, cyclone and landslides.

- Water conservation, rain water harvesting, watershed management
- Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion. Case Studies.

- Environmental Acts and Policies (water, wildlife, biodiversity, air etc.)

Field Visits to Protected Areas, Visit to Research Organisation and Industries including Bird Watching Program/Biodiversity Observations

Recommended Books:

- Essential Environmental Studies by S P Misra & S. N Pandey (Anr Books Pvt. Ltd.)
- Environmental Studies by J P Sharma, Laxmi Publications,
- Paryavaran Addhayan (Hindi version) by Anubha Kaushik & C P Kaushik, New Age Publications
- Ecology & Environmental Biology by Ramdeo Misra, English Book Depot
- Environment and Ecology by R.Rajagopalan, OAK BRIDGE
- Ecology by Dr. Kailash Chaudhary & Dr. Ram Prakash Saran, IFAS Publications
- Fundamentals of Ecology by Eugene Pleasants Odum, CENGAGE Learning

Hours:-180

BDPHVA-107 प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम् -I

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Unit-1: Basic Preparatory Asanas

Sukshma yogic vyayam, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar

Unit-2: Asanas (20)

Sidhdasana, Mandukasana, Shashakasana, Vakrasana, Gomukhasana, Pashchimotanasana, Markatasana, Pawanamuktasana, Ardhahalasana, Padvrittasana, Dvichakrikasana, Uttanapadasana, Makarasana, Bhujangasana, Tadasana, Konasana, Padhastasana, Dhruvasana, Shirshasana, Shavasana.

Unit-3: Advance Yogasanas (10)

Sheershasan, Vrishchikasan, Bhunamanasan, Hanumanasan, Sarvangasan, Matsyasan, Halasan, Purna Dhanurasan, Purna Chakrasan, Purna Natarajasan, Mayurasan

Unit-4: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Jal Neti, Rubber Neti, Kapalbhati

Unit-5: Pranayam & Mudra

Kapalbhati & Nadi Shodhan Pranayam

Unit-6: Meditation

Pranav Meditation

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan
- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

Reference Book: -

1) Balkrishna A., (2017), Yoga Vijnanam: Yoga ke goorh rahasyo ka darshanik v vaijnanik vivechan (first edition). Divya Prakashan.
2) Balkrishna A., (2007), Vijnan ki Kasauti Par Yoga (first edition). Divya Prakashan.
3) Research Publication by Patanjali Research Foundation, Divya Prakashan.

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन प्रथम वर्ष

Semester-II

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

BDPHMJ-201 सांख्यदर्शनबोध:

उद्देश्य:-

- सांख्य का ऐतिहासिक परिचय कराना।
- सांख्य से सम्बन्धित साहित्य - सांख्यकारिका, तत्वसमास से अवगत कराना।

परिणाम:-

- सांख्य से सम्बन्धित ग्रन्थ-सांख्यकारिका, तत्वसमास से परिचित हो जाता है।
- सांख्यसूत्रों के सूत्रार्थ एवं भावार्थ के साथ-साथ उसके ऐतिहासिक एवं पौराणिक तथ्यों से भी अवगत हो जाता है।
- सांख्य के समग्र सिद्धान्तों का विश्लेषण करने में सक्षम हो जाता है।

इकाई प्रथम- प्रथम अध्याय (तंन्त्राध्याय) का सूत्रार्थ एवं भावार्थ एवं द्वितीय अध्याय (प्रधानकार्याध्याय) का सूत्रार्थ एवं भावार्थ। (15 घण्टें)

इकाई द्वितीय- तृतीय अध्याय, (वैराग्याध्याय) का पूर्वार्द्ध सूत्रार्थ एवं भावार्थ एवं तृतीय अध्याय, (वैराग्याध्याय) उत्तरार्द्ध का सूत्रार्थ एवं भावार्थ। (15 घण्टें)

इकाई तृतीय- चतुर्थ अध्याय (आख्यायिकाध्याय) का सूत्रार्थ एवं भावार्थ एवं पंचम अध्याय (परपक्षनिर्जयाध्याय) का सूत्रार्थ एवं भावार्थ। (15 घण्टें)

इकाई चतुर्थ- षष्ठ अध्याय (तन्त्राध्याय) का सूत्रार्थ एवं भावार्थ सांख्यदर्शन का महत्व, सांख्यज्ञान का अन्यों शास्त्रों पर प्रभाव, सांख्य एवं वेदान्त में समानता। (15 घण्टें)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक-सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री), प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006 एवं सांख्यदर्शनम्- प्रो. साध्वी देवप्रिया, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार। सहायक ग्रन्थ- सांख्यदर्शनम्, आचार्य आनन्दप्रकाश, आर्ष शोध संस्थान, अलियाबाद।

BDPHMJ-202 सांख्यदशर्नस्मरणम्

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

इकाई प्रथम- प्रथम अध्याय एवं द्वितीय अध्याय के सूत्रों का स्मरण (15 घण्टें)

इकाई द्वितीय- तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय के सूत्रों का स्मरण(15 घण्टें)

इकाई तृतीय- पंचम अध्याय के सूत्रों का स्मरण (15 घण्टें)

इकाई चतुर्थ- पष्ठा अध्याय के सूत्रों का स्मरण (15 घण्टें)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक - सांख्यदर्शनम् संकलन कर्त्री डॉ.साध्वी देवप्रिया, दिव्य प्रकाशन पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

क्रेडिटः-04
घण्टेंः-60

BDPHMN-203 - संस्कृतसाहित्यम् - II

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1. संस्कृत व्याकरण से सम्बद्ध शिक्षा ग्रन्थ में वर्णित वर्णों के उच्चारण से सम्बन्धित प्रयत्नों का बोध कराना।
2. व्याकरण सम्बन्धी शेष संज्ञाओं का पुनः बोध कराना।
3. व्याकरण में प्रयुक्त परिभाषा सूत्रों का सामान्य बोध, अच् सन्धि तथा हल् सन्धि विषयक ज्ञान कराना।

प्रथम इकाई- कारक प्रकरणम् - विभक्तिश्च (15 घण्टे)

कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, अधिकरण कारक ।

द्वितीय इकाई- समासप्रकरणम् - (15 घण्टे)

तत्पुरुष समास, बहुब्रीहि समास, द्वन्द समास, अव्ययीभाव समास ।

तृतीय इकाई- शब्दरूप, धातुरूप (1-15 अभ्यास पर्यन्त), अनुवाद, संख्याएँ (1-100) । (15 घण्टे)

चतुर्थ इकाई- रघुवंश महाकाव्यम् - द्वितीयः सर्गः । (15 घण्टे)

परिणाम-

1. संस्कृत व्याकरण के आधारभूत ज्ञान से शब्दों की वैज्ञानिक पद्धति से परिचित होकर शब्दार्थ व वाक्यार्थ बोध करने व कराने में सक्षम हो जाता है।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा के बोध से वर्णों एवं शब्दों के शुद्धतापूर्वक उच्चारण करने में समर्थ हो जाता है तथा वाणी में व्याख्यान का सामर्थ्य विकसित हो जाता है।
3. संज्ञाओं के ज्ञान से पाणिनीय व्याकरण को सम्यक् रूप से समझने एवं समझाने में समर्थ हो जाता है।
4. सन्धियों के परिचय से सन्धि विच्छेद व शब्दार्थ बोध के माध्यम से संस्कृत वाङ्मय में आये हुए सन्धियुक्त पदों का ज्ञान करने व कराने में सक्षम हो जाता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-

रघुवंश महाकाव्यम् - प्रकाशक- चौखम्भा ओरियन्टालिया, दिल्ली - 11007, (भारत)।
व्याकरण चन्द्रोदय 2 -डॉ. आचार्या साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन।

सहायक ग्रन्थ - रचनानुवाद कौमुदी, प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी-22100

BDPHID-204(1) – Applied Psychology

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

Objectives:

- To familiarize students with the basic concepts of Indian and Western Psychology with an emphasis on application of Psychology in everyday life.
- To introduce the students to the general concepts of psychology.

Part-A (Theory)

Unit-1: Introduction

Meaning and Definitions of Psychology, Psychological thoughts in some major, Eastern System: Bhagavad Gita and Buddhism, Concept of Psychology as per Upanishads, Goals and branches of Psychology, Methods of Psychology: Introspection, Observation, Experimental and Survey.

Unit-2: Perception, Learning and Memory

Meaning, definition of perception, Information Processing Approach, Gestalt Approach to perception. Learning: Meaning definitions and Role of Motivation in learning, Factors affecting learning, Methods of learning, Transfer of learning: positive, negative, zero and bilateral.

Meaning, definitions and types of Memory: sensory, short-term and long term, Components of memory, Factors affecting memory, enhancement of memory, Meaning of Forgetting and Its causes.

Unit-3: Motivation, Intelligence and Personality

Motivation: Meaning and definition of motivation, Objectives of Motivation.

Intelligence: Meaning and definitions of intelligence, types of intelligence (Mental, emotional, social and spiritual intelligence).

Personality: Meaning and definitions of Personality, Theoretical Approaches of Personality. Measuring Personality.

Part-B (Practical)

Instructions: Each student is required to conduct any two practical's from the list given below and submit a detailed practical report for each.

List of Practical's:

1. Achievement Motivation

2. Verbal Intelligence Test
3. Personality Inventory
4. Mirror Drawing Experiment
5. Verbal Learning
6. Maze Learning
7. Immediate Memory Span

Prescribed Textbooks

Singh, A. K. (2015). Advanced general psychology. Motilal Banarsidass. ISBN: 978-81-208-2081-4 Jain, S. (2014). Introduction to psychology. Motilal Banarsidass. ISBN 978-81-272-5643-2

Reference Books

Baron, R. A., & Misra, G. (2018). Psychology Indian Subcontinent Edition. ISBN-13: 978-9332558540

Zimbardo, P. G., & Weber, A. L. (1997). Psychology. HarperCollins College Publishers.

Lefton, L. A. (1985). Psychology. Allyn & Bacon.

Morgan, C. T. (2004). Introduction to psychology. McGraw-Hill.

Ciccarelli, S. K., Misra, G., & White, J. N. (2015). Psychology. Pearson Education India.

BDPHID-204(2) - Bharatanatyam

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

Course Objective

This course introduces **Bharatanatyam** not merely as a performing art, but as a **philosophical system of expression** grounded in **Indian Darśana**, aesthetics, and sacred Sanskrit texts. It enables **B.A. Darshan students** to understand how metaphysical, ethical, and aesthetic ideas are embodied through movement, gesture, rhythm, and emotion.

Course Outcomes

After completing this course, students will be able to:

1. Understand Bharatanatyam as a **visual philosophy (Dṛśya-Darśana)**
2. Explain core concepts of **Indian aesthetics (Rasa, Bhāva)**
3. Relate Bharatanatyam to **Sāṅkhya, Yoga, Vedānta, and Bhakti traditions**
4. Interpret selected dance compositions philosophically
5. Appreciate embodied knowledge as a valid epistemological mode

Course Structure & Syllabus

UNIT I – Bharatanatyam as Darśana (12 Hours)

- Meaning and origin of Bharatanatyam
- Dance as **Sādhanā** and spiritual discipline
- Concept of **Nāṭya as the Fifth Veda**
- Overview of **Natya Shastra**
- Art as a means of philosophical communication

UNIT II – Indian Aesthetics and Philosophy (12 Hours)

- Rasa theory: Śṛṅgāra, Vīra, Karuṇa, Bhakti
- Bhāva, Abhinaya, and consciousness
- Relationship between **Rasa and Ānanda (Bliss)**
- Bharatanatyam and **Vedānta (Brahman–Ātman unity)**
- Ethical values in dance narratives

UNIT III – Symbolism, Myth, and Metaphysics (10 Hours)

- Deities and symbolism in Bharatanatyam
- **Śiva as Naṭarāja** – cosmic philosophy
- Time (Kāla), Space (Deśa), and Rhythm (Tāla)
- Dance as moving metaphysics
- Body as sacred instrument (Śarīra-Darśana)

UNIT IV – Practical & Experiential Component (15 Hours)

- Introduction to **Āḍavus** (basic movements)
- Hasta Mudrās and their philosophical meanings
- Simple Abhinaya based on devotional verses
- Observation and reflection on a Bharatanatyam performance
- Experiential learning: movement as knowledge

Refrences Book

Primary Texts

- Bharata Muni – *Natya Shastra* (English translation)
- Abhinavagupta – *Abhinavabhāratī* (selected concepts)

Secondary References

- Kapila Vatsyayan – *Indian Classical Dance*
- Coomaraswamy – *The Dance of Śiva*
- Radhakrishnan – *Indian Philosophy*

BDPHAE-205(1) COMMUNICATIVE ENGLISH

Credit:–02

Hours:–30

Course Objectives:

- Develop proficiency in speaking, listening, reading, and writing in English for effective communication.
- Build confidence in students to use English in various social and professional contexts.
- Help students speak fluently and coherently in both formal and informal settings.
- Strengthen vocabulary, grammar, and pronunciation to enable students to express themselves accurately and appropriately.
- Develop active listening skills for better comprehension in conversations, lectures, and presentations.
- Improve students' ability to understand, analyze, and interpret written texts, enhancing critical thinking.

Unit 1: Fundamentals of English Grammar and Vocabulary Building	**6 Hours**
Topics	Prescribed Texts
• Sentence Formation • Parts of Speech • Articles • Modals • Direct and Indirect speech	English Grammar in Use by Raymond Murphy, 4th Edition, Cambridge
• Synonyms, Antonyms, Homophones and Homonyms	Word Power Made Easy by Norman Lewis

Unit-2: Reading Skills	**6 Hours**
Topics	Prescribed Texts
• Reading Comprehension (Skimming and Scanning) • Reading Academic Texts • Identifying the main idea of the text	Swami Vivekananda's Speech Of 1893, Chicago Short Story: Premchand, 'The Holy Panchayat'
Unit-3: Listening Skills	**6 Hours**
Topics	Prescribed Texts
• Types of listening, Listening vs Hearing • Listening for details and main ideas • Note- taking skills	Swami Vivekananda's Speech Of 1893, Chicago
Unit-4: Speaking Skills	**6 Hours**
Topics	Prescribed Texts
• Pronunciation (Stress, intonation, rhythm)	*Fundamentals of linguistics* by Raj Kumar Sharma, Atlantic Publishers, 2024.pp. 80-82
• Conversation and dialogue practice • Extempore • Public speaking and presentation skills • Debate and Group discussion	

Unit-5: Writing Skills	**6 Hours**
Topics	Prescribed Texts
• Sentence formation and paragraph writing • Structuring Essays • Writing formal and informal letters • Article writing • Email writing	*Language and Communication Skills*, Cambridge University Press, 2019

Suggested

Course Specific Outcomes

By the end of the course, students should be able to:

- Confidently engage in various conversations in English, demonstrating clarity and fluency.
- Effectively listen to and understand spoken English in different accents and contexts.
- Write clearly and correctly in English for various purposes such as emails, letters and essays.
- Understand and critically analyze different types of written texts (articles, essays, literature, etc.).
- Contribute thoughtfully in group discussions, presentations, and debates.
- Deliver effective oral presentations with confidence, clarity, and the appropriate use of language.

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercises

Readings:

- Adair, John. *Effective communication*. 4th Edition, Pan Mac Millan, 2009.
- Dawes, L. *The Essential Speaking and Listening*. Routledge, 2008.
- McCarthy, Micheal, Felicity O'Dell. *Basic Vocabulary in Use.* Cambridge. 2nd Edition, 2010.
- Singh, R.P. *An Anthology of English Essays*. Oxford, 2000.
- Seely, John. *The Oxford Guide to Writing and Speaking*. Oxford University Press, 1998.

Sharma, Raj Kumar, Bhushan Singh. A Comprehensive English Grammar. Atlantic Publishers, 2019.

Credit :-02

Hours :-30

BDPHAE-205(2) Japanese

Objectives for Learning Japanese Language

- To develop basic Proficiency in reading, writing, speaking and listening to Japanese.
- To get prepare for Japanese Language Proficiency Test (JLPT).
- To get a good job in Japan / Japanese company.

Unit – I

- Greetings
- Class instructions.
- Numbers(1-1000)
- Hiragana
- Kanji of Numbers (1-1000).
- Introduce basic sentences structure.
- Asking and answering questions.
- Explain the objects and their location and Possession.
- Visit shop and ask about price and purchase- something.
- Time
- Days name
- Verb forms and their uses in sentences.

Unit – II

- Numbers(1000-100000)
- Hiragana
- Colours Name
- Months Name
- How to use public Transport
- Asking and answering about Time and Date.
- Invite someone to do something
- Uses of Transitive verb.
- Family Members
- Vegetables Name
- Uses of different particles (が、お、で、へ ....)
- Uses of Adjectives

Unit – III

- Katakana.
- Describe about like & dislike.
- Explain about Degree / Ability/ Quantity.
- Existence or presence of a thing and person.
- Name of objective inside your house.
- Counter suffix and their uses.
- Comparison between items / People / Places.
- Explain the people /objects/ places.

- Basic Kanji .

COURSE OUTCOMES

By the end of the course, students should be able to :

• Confidently engage in various conversations in Japanese, demonstrating clarity and fluency.

• Effectively listen to and understand spoken Japa in different accents and contexts.

• Write clearly and correctly in Japanese for various purposes such as emails, letters and essays.

• Understand and critically analyze different types of written texts (articles, essays, literature, etc.).

• Contribute thoughtfully in group discussions, presentations, and debates.

• Deliver effective oral presentations with confidence, clarity, and the appropriate use of language.

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercise

TEXT BOOK

- Minna No Nihongo (N5)

REFRENCE BOOKS

- Tsumatome
- Shikanzen Master
- Genki

BDPHSE-206(1) योगचिकित्साविज्ञानम् - II

क्रेडिट:-03
घण्टें:-45

उद्देश्य :

- भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति के समन्वित् स्वरूप का बोध कराना ।
- समन्वित चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अभ्यास द्वारा साध्य एवं असाध्य रोगो का निदान।
- योग, आयुर्वेद, पञ्चकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी, आहार चिकित्सा, यज्ञचिकित्सा, एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं फिजियो थैरेपी जैसे समन्वित् भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक बोध द्वारा योग्य एवं प्रशिक्षित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

इकाई 1-मिट्टी चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा (9 घण्टे)

इकाई 2- जल चिकित्सा (हाइड्रोथेरेपी) (9 घण्टे)

इकाई 3- मसाज के विविध प्रकार एवं प्रयोग (9 घण्टे)

इकाई 4- प्राकृतिक चिकित्सा (नैचुरोपैथी) (9 घण्टे)

इकाई 5- वैकल्पिक चिकित्सा एवं षट्कर्म (9 घण्टे)

परिणाम :

- समन्वित चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित विद्यार्थी समाज में साध्य-असाध्य रोगों से पीड़ित रोगियों को उपचार देकर उन्हें सम्पूर्ण आरोग्य का लाभ प्रदान करता है एवं भारतीय पुरातन चिकित्सा व्यवस्था के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है ।
- सेवानिष्ठ आजीविका का आलम्बन लेकर स्वयं आत्मनिर्भर होता हुआ अन्यों को भी रोजगारपरक सेवा क्षेत्र में नियोजित करता है, उपकारपरक उपचार की एक स्वस्थ परम्परा का संवाहक बनकर समाज को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के मार्ग पर अग्रसर करता है ।

पाठ्यपुस्तकम्-

उपचार पद्धति, प्रकाशन- द्विव्य प्रकाशन, द्विव्य योग मन्दिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

BDPHSE-206(2) Intermediate Knowledge of Music (Vocal & Instrumental)

Credit:-03
Hours:-45

UNIT- I Merits & Demerits of Vocalist, Margi /Desi Sangeet , Brief Definition about Raag, five important Rules of Raag , Jaati of Raag & Knowledge of 10 Thaat its Basic Speciality, Brief intro of Mel raag.

12 Hours

UNIT- II Biography of Musicians- Bhimsen Joshi, Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande, Effect of Sound in our practical life, **Definitions:-** Gamaks-(Meed, kan,Khatka,Murki), Alankar no 5 to 10 (According to Bhatkhande Kramik pustak malika-1), AROH-AVROH-PAKAD-VADI-SAMVADI of Raag Yaman. Merits & Demerits of Musicians, Definition of following terms: Sum, Tali, Khali &Vibhag, Tuning of Tabla.

12 Hours

UNIT- III Practice of Previous Ten Alankar, Practice of Aroh , Avroh ,Pakad in Raag Yaman & Lakshan Geet, Practice of two Bhajan/Geet/ghazal Based on Raag (Yaman/Bhairavi/Darbari-kanhda)

12 Hours

UNIT- IV Tabla– Playing Skill of Basic Bol (NA, TI Teen, Dha Dhi, Dheen) One Kayda In Teentaal.

Harmonium- Playing Skills of One (Bhajan, Patriotic Song) **9 Hours**

Reference Book-

1. Sangeet Rachna Ratnakar Part -1 - Rajkishor Prasad Sinha(Author)
2. Raag Parichaya Part -1 to 4 – Harishchandra Srivastava(Author)
3. Sangeet Prasnottar Part-1
4. Taal Parichaya –All Parts - Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
5. Adarsh Tabla Prashnotari Part-1- Dr. Rubi Shrivastava
6. Sangeet Praveshika- Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
7. Kramik Pushtak Mallika Part –All Parts – V. N. bhatkhande
8. Bhartiya Sangeet Itihas – Umesh & Jaydev Joshi
9. Sangeet Vadya -Ragmani

BDPHSE-206(3) कृषिविज्ञानम्

क्रेडिट:-03
घण्टें:-45

Objective

To acquaint the students with the basic principles of farm management dealing with the analysis of farm resources having alternatives within the framework of resource restrictions.
Contents .

Outcomes

Student would be able understand the basic knowledge of agriculture and related tools as well as farming management in various perspectives as theory and practicals.

UNIT - I Introduction of Farm Management

Nature, scope, characteristics and role of farm business management; farm management decisions; farm management problems.

UNIT - II Law & Principles of Farm Management

Principles of farm management decisions – principle of variable proportion, cost principle, principle of factor substitution, law of equi-marginal returns, opportunity cost principle, etc.

UNIT - III Tools & Techniques of Farm Management

Tools of farm management and farm business analysis - farm planning and budgeting; Farm records and accounts, types and problems in farm records and accounts, net worth statement, farm efficiency measures.

UNIT - IV Resourcess of Farm Management

Management of farm resources – Land, Labour, Farm machinery, Farm building, etc.

UNIT - V Challenges of Farm Management

Risk and uncertainty in farming -sources of uncertainty in farming, management strategy to counteract uncertainty and decision making process in farm business management under risks and uncertainty.

Reference Books-

1. Heady EO & Jensen H. 1960. Farm Management Economics. Prentice Hall.

2. Johl SS & Kapoor TR. 1973. Fundamentals of Farm Business Management. Kalyani Publ.

3. Kahlon AS & Singh K. 1992. Economics of Farm Management in India. Allied Publ.

4. Panda SC. 2007. Farm Management & Agricultural Marketing. Kalyani Publ.

BDPHVA-207- सनातनसंस्कृतिबोधः - II

क्रेडिटः-03
घण्टेंः-45

उद्देश्य

- सामवेद एवं अथर्ववेद के चयनित प्रसिद्ध मंत्रों का वाचन एवं परिचयात्मक ज्ञान कराना।
- तैतिरीय, ऐतरेय, छान्दोग्य, बृहदारण्यक व श्वेताश्वतर के चयनित प्रसंगों से अवगत कराना।
- देवयज्ञ, ब्रह्मयज्ञ, प्रातः जागरण मंत्र, शयन मंत्रो को आत्मसात कराना।
- वर्णाश्रम व्यवस्था, पञ्चमहाव्रत, पञ्चमहाभूत, पञ्चप्राण से अवगत कराना।

इकाई 1- सामवेद एवं अथर्ववेद के चयनित मंत्र। (8 घण्टे)

इकाई 2- उपनिषद् (तैत्तरीय, ऐतरेय, छान्दोग्य, बृहदारण्यक, श्वेताश्वतर) के चयनित प्रंसग। (9 घण्टे)

इकाई 3- रामायण एवं महाभारत का चयनित प्रसंग एवं नवधा भक्ति का सामान्य परिचय। (9 घण्टे)

इकाई 4- दैनिक दिनचर्या के विशेष मन्त्र, देवयज्ञ, जीवन दर्शन, पंचमहायज्ञ। (9 घण्टे)

इकाई 5- पंचप्राण, वर्ण-व्यवस्था, पंचकोश, पञ्च महाव्रत, अष्टाङ्गहृदय। (10 घण्टे)

परिणाम

- उपर्युक्त चयनित मंत्रों को शुद्धतापूर्वक वाचन एवं व्याख्यान में कुशल होना।
- उपरोक्त उपनिषद् के प्रसिद्ध प्रसंगों का विस्तृत ज्ञान अर्जित होना।
- पञ्चमहायज्ञों को अपने जीवन में विनियोग करने में समर्थ होना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकः- भारतीय संस्कृति बोध, प्रो0 साध्वी देवप्रिया, दिव्यप्रकाशन

घण्टें:-180

BDPHVA-208- प्रयोगात्मकंयोगविज्ञानम् - II

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Basic Preparatory Asanas as per previous semester

(Sukshma asana, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar)

Unit-1: Asanas (As per Hatha Pradipika) (15)

Swastikasana, Gomukhasana, Veerasana, Kurmasana,Kukkutasana, Uttanakurmasana, Dhanurasana, Matsyendrasana, Paschimottanasana, Mayurasana, Shavasana, Sidhhasana, Padmasana, Simhasana, Bhadrasana **& Previous semester asanas.**

Unit-2: Advance Yogasanas (8)

Adhomukha Tittibhasan, karna peedasan, Dimbasan, ChankraBandhasan, Kesarisutasan, Mahendrasan, Skandha pad Natarajasan, Dandayaman Janu shirasan, & Previous semester asanas

Unit-3: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Sutra Neti, Vaman Dhauti (Kunjal Kriya), Dand Dhauti & previous semester practices

Unit-4: Pranayam, Mudra & Bandh

Suryabhedan Pranayam, Ujjayi Pranayam, Bhastrika Pranayam, Bhramari Pranayam, Sheetali & Sitkari Pranayam & previous semester practices

Mahamudra, Mahabandh, Mahavedha, Uddiyan Bandh, Jalandhar Bandh, Moola bandh, Viparitkarni Mudra

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan
- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन प्रथम वर्ष

Semester-III

क्रेडिटः-05
घण्टेंः-75

BDPHMJ-301 – न्यायदर्शनबोधः

उद्देश्यः-

- न्याय के ऐतिहासिक एवं पौराणिक तथ्यों से अवगत कराना।
- न्याय के सम्बन्धित भाष्य, वार्तिक एवं विभिन्न टीकाओं से परिचय करवाना।

परिणामः-

- न्याय के षोडश पदार्थो के उद्देश्य एवं लक्षण का बोध कर लेता है।
- चतुर्विध प्रमाणों के विस्तृत विवेचन करने में कुशल हो जाता है।
- उपरोक्त सूत्रों का कण्ठस्थ कर लेता है।

प्रथम इकाई- प्रमाणादि षोडश पदार्थों का उद्देश्य एवं लक्षण (15 घण्टें)
वाद, जल्प एवं वितण्डा का स्वरूप, हेत्वाभास का लक्षण एवं प्रभेद, छलका स्वरूप एवं प्रकार।
प्रमाण सामान्य परीक्षा प्रकरण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण की परीक्षा, वेद का प्रामाण्य।

द्वितीय इकाई - प्रमाण का चतुष्ट्वत्व, शब्द का अनित्यत्व, शब्द प्रमाण प्रकरण, शब्दशक्तिपरीक्षा प्रकरण। (15 घण्टें)

तृतीय इकाई - इन्द्रियव्यतिरिक्तात्माप्रकरण, शरीरव्यतिरिक्तात्मप्रकरण, चक्षुरद्वैतप्रकरण, मनोव्यतिरिक्तात्मप्रकरण, आत्मनित्यताप्रकरण, शरीरपरीक्षाप्रकरण । इन्द्रियभौतिकत्वप्रकरण, इन्द्रियनानात्वप्रकरण, अर्थपरीक्षाप्रकरण। बुद्धि अनित्यताप्रकरण, क्षणभंगप्रकरण, बुद्धेरात्मागुणत्वप्रकरण। बुद्धेरुत्पन्नापवर्गत्वप्रकरण, बुद्धेशरीरगुणव्यतिरेकप्रकरण, मनपरीक्षाप्रकरण, अदृष्टनिष्पाद्यत्वप्रकरण। (15 घण्टें)

चतुर्थ इकाई - प्रवृत्तिपरीक्षाप्रकरण, दोषत्रैराश्यप्रकरण, प्रेत्यभावपरीक्षाप्रकरण, शून्यतोपादानप्रकरण, ईश्वरोपादानप्रकरण, आकस्मिकत्वोपादानप्रकरण, सर्वानित्यत्वनिराकरणप्रकरण, सर्वनित्यत्वनिराकरणप्रकरण, सर्वपृथक्त्वनिराकरणप्रकरण, सर्वशून्यता निराकरणप्रकरण, संख्यैकान्तवादप्रकरण । फलपरीक्षा प्रकरण, दुःखपरीक्षा प्रकरण,अपवर्गपरीक्षाप्रकरण। तत्वाज्ञानउत्पत्ति प्रकरण, अवयवी प्रकरण, परमाणुनिरवयवत्व प्रकरण। बाह्यार्थभंगनिराकरणप्रकरण, तत्वज्ञानविवृद्धि प्रकरण, तत्वज्ञानपरिपालन प्रकरण (15 घण्टें)

पंचम इकाई - जाति व निग्रहस्थान का परिचयमात्र, प्रमाणादि षोडश पदार्थों का उद्देश्य एवं लक्षण (15 घण्टें)
वाद, जल्प एवं वितण्डा का स्वरूप, हेत्वाभास का लक्षण एवं प्रभेद, छलका स्वरूप एवं प्रकार।
प्रमाण सामान्य परीक्षा प्रकरण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण की परीक्षा, वेद का प्रामाण्य।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-:

न्याय दर्शन, आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजय कुमार, गोविन्दराम, हासानन्द, 4408 नई सड़क, नई दिल्ली-110006
न्यायदर्शनम्-डॉ. साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक- दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

BDPHMJ-302 - न्यायदर्शनस्मरणम्

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

प्रथम इकाई - प्रथम एवं पंचम अध्याय के सूत्रों का स्मरण (15 घण्टें)

द्वितीय इकाई - द्वितीय अध्याय के सूत्रों का स्मरण। (15 घण्टें)

तृतीय इकाई - तृतीय अध्याय के सूत्रों का स्मरण। (15 घण्टें)

चतुर्थ इकाई - चतुर्थ अध्याय के सूत्रों का स्मरण। (15 घण्टें)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-: न्यायदर्शनम् संकलन कर्त्री डॉ. साध्वी देवप्रिया प्रकाशन-दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

क्रेडिटः-04
घण्टेंः-60

BDPHMJ-303 – जैनबौद्धचार्वाकदर्शनम्

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- चार्वाक दर्शन के मूल सिद्धान्तों व विचारों के प्रति सहज बोध करवाना।
- जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्तों से छात्रों का परिचय कराना।
- बौद्ध दर्शन की मूल मान्यताओं, सम्प्रदायों व उपदेशों से परिचित कराना।

प्रथम इकाईः-वैदिक एवं वैदीकेतर दर्शन की अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों का परिचय। (10 घण्टें)

द्वितीय इकाईः- चार्वाक दर्शन का परिचय, (प्रमाण मीमांसा, तत्व मीमांसा एवं नीति मीमांसा) (10 घण्टें)

तृतीय इकाईः- जैन दर्शन का परिचय, तीर्थंकर परम्परा, त्रिरत्न, बंधन और कैवल्य, दिगंबर और श्वेतांबर मत। (20 घण्टें)

चतुर्थ इकाईः- बौद्ध दर्शन, महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय, चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, निर्वाण की अवधारणा, हीनयान और महायान मत। (20 घण्टें)

परिणाम- 1. वैदिकेतर दर्शन से विद्यार्थियों का परिचय होगा।

2. वैदिक और वैदिकेतर दर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण करने का अवसर प्राप्त होगा।

3. दर्शन शास्त्र के विभिन्न पक्षों को समग्र रूप से समझने में सहायता मिलेगी।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा (ऋषि)

प्रकाशक-चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

BDPHMN-304 संस्कृतसाहित्यम् - III

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

उद्देश्य-

प्रथम इकाई- लिङ्गानुशासनं नाम पञ्चमं प्रकरणम् (15 घण्टें)

द्वितीय इकाई- लिंगानुशासनशेष: (15 घण्टें)

तृतीय इकाई- भाषाविज्ञानम्, भाषा विज्ञान परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति, वर्गीकरण, संसार की भाषाएँ, प्राचीन एवं वर्तमान भाषाएं। भारोपीय भाषा परिवार, मध्यकालीन, आधुनिक भारतीय आर्यभाषा-प्राचीन, भाषा विज्ञान का इतिहास, लिपि, प्राचीन भाषावैज्ञानिक पाणिनि, पतञ्जलि, भर्तृहरि, यास्क, भाषाविज्ञान-व्याकरण-निरूक्तानां का परस्पर सम्बन्ध। (15 घण्टें)

चतुर्थ इकाई- कृत् प्रत्यय प्रकरणम् १, कृत्य-प्रक्रिया, कृत्य-प्रत्ययों का प्रयोग, प्रमुख धातुओं के तव्य प्रत्ययान्त रूप, अनीय, कर्तृ-वाचक-कृत्, सोमपद कृर्त, मूलविभुजादि। कृत् प्रत्यय प्रकरणम् २, निष्ठा-प्रत्यय-क्त, क्तवतु, निष्ठाप्रत्यय-सम्बन्धी विशेष कार्य निष्ठा-प्रत्यय के प्रयोग का विषय क्तान्त रूपावलि,शतृ-शानचपदी, ताच्छीलिक कृत प्रत्यय, तुमुन् (तुम) तुमुन्नन्त रूपावलि। (15 घण्टें)

परिणाम-

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली 2012
व्याकरण चन्द्रोदय 3-डॉ. आचार्या साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन हरिद्वार।

BDPHID-305(1) Introduction to Journalism and Mass Communication Objectives

Credit:-02
Hours:-30

Course Objectives

- To introduce students to the concepts, processes, and importance of journalism and mass communication.
- To explore the historical evolution and functions of media in society.
- To familiarize students with communication models and theories.
- To develop an understanding of media ethics and laws.
- To provide practical insights into basic content creation for media platforms.

Course Outcomes (COs)

By the end of this course, students will be able to:

- CO1: Describe the basic concepts and processes of communication.
- CO2: Identify the historical development and role of journalism in society.
- CO3: Analyse various models and theories of communication.
- CO4: Examine the ethical and legal frameworks of media practices.
- CO5: Demonstrate basic skills in content creation and media platform usage.

Unit	Course Outline	CO Mapping	Bloom's Taxonomy Level
1	**Basics of Communication (6 Hours)** : Definition, Elements, and Process of Communication; Ancient Indian concept of communication –oral tradition, use of cave art, bhoja-patras, rock edicts and pillars for communication, samvad, story-telling, folk, drama, art of communication in Natyashastra, sadharanikaran. Types of Communication: Intrapersonal, Interpersonal, Group, Mass Communication; Functions of Communication: Informing, Persuading, Entertaining; Barriers to Communication	**CO1,CO3**	**K1, K4**
2	**Introduction to Journalism (6 Hours):** Definition, Scope, and Importance of Journalism; Historical Overview of Journalism in India; Principles of Journalism: Accuracy, Objectivity, Fairness; Role of Journalism in Democracy	**CO2**	**K2**
3	**Mass Communication (6 Hours):** Definition and Characteristics of Mass Media; Types of Mass Media: Print, Broadcast, Digital; Media Convergence and New Media Technologies; Social, Cultural, and Political Impact of Media	**CO2,CO3**	**K2, K4**
4	**Media Ethics and Laws (6 Hours):** Introduction to Media Laws: Defamation, Copyright, Contempt of Court; Ethical Challenges in Journalism and Media; Freedom of Press in India; Media Literacy and Responsible Journalism	**CO4**	**K3, K5**
5	**Hands-on Learning Insights (6 Hours):** Basics of News Writing: 5Ws and 1H; Crafting Headlines and Leads; Introduction to Digital Media Platforms: Blogging, Podcasting, Social Media; Group Discussions on Emerging Media Trends	**CO5**	**K3, K6**
Bloom's Taxonomy Level: K1-Remember, K2- Understand, K3- Applying, K4- Analyze, K5- Evaluate, K6-Create			

Assignments:

Assignment 1: Write a report on the role of journalism in democracy, with examples from Indian and global media practices. (500 words)

Assignment 2: Create a blog post on an emerging trend in digital media, such as podcasting or citizen journalism. (500 words)

Suggestive Readings:

- Baran, S. J. (2020). Introduction to Mass Communication: Media Literacy and Culture (10th ed.). McGraw-Hill Education.
- Dominick, J. R. (2012). The Dynamics of Mass Communication: Media in the Digital Age (12th ed.). McGraw-Hill.
- Kumar, K. J. (2020). Mass Communication in India (5th ed.). Jaico Publishing House.
- McQuail, D. (2010). McQuail's Mass Communication Theory (6th ed.). Sage Publications.
- Natarajan, J. (1955). History of Indian Journalism. Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, India.
- Ravindran, R. K. (1999). Handbook of Radio, Television, and Broadcast Journalism. Anmol Publications.
- पांडे, स. के. (2018). जनसंचार और पत्रकारिता का परिचय. वाराणसी: भारतीय विद्या भवन पब्लिकेशन।
- गुप्ता, एस. (2020). जनसंचार माध्यम और सिद्धांत. दिल्ली: समीर प्रकाशन।
- शर्मा, विकास. (2019). पत्रकारिता के सिद्धांत और व्यवहार. दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।
- त्रिपाठी, राकेश कुमार. (2016). समाचार लेखन और संपादन. दिल्ली: विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- प्रसाद, महेंद्र (2015). भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. पटना: प्राची प्रकाशन।
- मिश्रा, उमेश. (2021). जनसंचार माध्यमों की भूमिका. भोपाल: साहित्य प्रकाशन।
- द्विवेदी, रामेश्वर. (2017). पत्रकारिता और लोकतंत्र. लखनऊ: लोकोदय प्रकाशन।

BDPHID-305(2) स्वर्णकाल का इतिहास

क्रेडिट:–02
घण्टें:–30

Course Objectives-

The main objective of this paper is to understand historical processes between 3rd Century AD and 6th Century AD. Though the chronology of the paper starts at 3rd Century AD, an initial background is given starting from thst post Mauryan period starting with the Gupta and ending with post Gupta scenario,

Unit I: Political History of Gupta Period **(**7 Hours)

Origin and development of Gupta Dynasty, Early History of Guptas- Shri Gupt and Ghatotkach, Founder of the great Gupta Dynasty- Chandragupta I, Achievements of Samudragupta, Mighty, Virtuous, Digvijayi and the great Gupta king who presented the concept of Greater India.

Unit II: Political History of Gupta Period **(**7 Hours)

Achievements Chandrgupta Vikramadity, Kumargupta and his successor- Skandgupta and Decline of the Imperial Guptas, Government and functions of the Council of Ministers during the Gupta period.

Unit III: Religious Status in the Gupta Period **(**8 Hours)

Vedic Religion- Surya, Life of Tapovan, Method of Yagya, **Puranic Religions**: **Shaivism**: Bhakti Tradition of Shavism: Pashupat Tradition, Kapalik Tradition, Kalmukh Tradition, Bhakti Tradition, **Vaishnavism:** Panchratr, Bhagavat, Krishna and doctrine of embodiment: Bhagavan Vishnu ke das Avatar, **Shaktism:** Trideviyan- Historical sources of Lakshmi, Durga and Saraswati.

Unit IV: Literary and Creator **(**8 Hours)

Development of Sanskrit literature - Fine literature like Avadan, Jataka Mala, Prayag Prashasti composed by Harishena, great poet Kalidas's texts, authors like Bharavi, Bhatti, Shudrak, Visakhadatta, Arthashastra, Dharmashastra, Buddhist literature and Jain literature.

Course Outcome:

The paper ensures that the students learn the changes in political, social, economic and cultural scenario happening during this chronological span. It will also teach them how to study sources to the changing historical processes.

Recommended Readings:

Pandey, V.C. Prachin Bharat ka Rajnitik Tatha Sanskritik Itihas, 2 Parts, Central Book Dipo Allahabad,
Sharma, L.P.: History of Ancient India,
Raychoudhury, H.C., Prācīn Bhārata Kā Rājanītika Itihāsa (Hindi), Allahabad,
Singh, U., A History of Ancient and Early Medieval India, From The Stone Age To The 12th Century, Delhi 2016
Basham A. L. The Wonder that was India, London

BDPHAE-306(1) Advanced Communicative English

Credit:-02
Hours:-30

Course Objectives:

- To develop advanced speaking, listening, reading, and writing skills in English.
- To enhance the ability to communicate effectively in professional, academic, and social settings.
- To improve pronunciation, fluency, and vocabulary.
- To provide exposure to various forms of written communication, including reports, essays, and research papers.

Unit 1: Vocabulary Expansion **6 Hours**

Topics	Prescribed Text
• Using phrasal verbs, idioms, and collocations appropriately. • Learning words in context (academic, professional, and social contexts).	*Advanced English Vocabulary in Use* by Micheal McCarthy and Felicity O'Dell. Cambridge

Unit-2: Reading Comprehension and Analysis **8 Hours**

Topics	Prescribed Texts
• Strategies for reading academic texts, articles, and books. • Analysing arguments, structure, and evidence in texts.	The Efficient Reading Skills by Iyabode Omolara Akewo Daniel in *Communication and Language Skills*. Cambridge University Press.
Critical Analysis of a literary text	*The Mahabharata*: A Shortened Modern Prose Version of the Indian Epic by R.K. Narayan

Unit-3: Advanced Speaking Skills **8 Hours**

Topics	Prescribed Texts
Public Speaking • Preparing speeches and presentation • Techniques for effective public speaking (Body language, eye contact and voice modulation) **Debates and Group Discussions** • Strategies for formal debates • Critical Thinking and Analytical Skills • Leadership and Teamwork in Discussions **Interview Skills** • Different types of interviews • Identifying your strengths, weaknesses, skills, and achievements • Prepare answers to typical interview questions. • Understanding body language and other non-verbal cues.	*Communication Skills* by Leena Sen, 2nd Edition, PHI Learning.

Unit 4: Academic and Professional Writing	**8 Hours**
Topics	Prescribed Texts
Essay Writing • Structure of Academic Essays • Developing arguments Academic Writing • Conventions of Academic Writing • Summarizing and Paraphrasing Business Writing • Writing formal emails, memos, and reports. • Creating professional documents (e.g., CVs, cover letters). • Writing persuasive proposals and business letters.	Academic Writing and Composition" by Sharmila Majumdar in Introduction to Undergraduate English, Book 2 by Parthapratim Bandyopadhyay et al. Cambridge University Press, 2018. pp.105-137. *Communication Skills* by Leena Sen, 2nd Edition, PHI Learning.

Course Specific Outcomes

By the end of the course, students should be able to:

- Ability to speak English confidently and fluidly in diverse social, academic, and professional contexts.
- Advanced skills in reading and understanding complex texts, including academic articles, reports, and literary works.
- Ability to deliver clear, confident, and structured presentations in both professional and academic environments.
- Ability to perform well in interviews, networking events, and other job-related communication tasks.

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercises

Suggested Readings:

- Adair, John. *Effective communication*. 4th Edition, Pan Mac Millan, 2009.
- Dawes, L. *The Essential Speaking and Listening*. Routledge, 2008.
- Lewis, Norman. *Word Power Made Easy.*
- Singh, R.P. *An Anthology of English Essays*. Oxford, 2000.
- Seely, John. *The Oxford Guide to Writing and Speaking*. Oxford University Press, 1998.

BDPHAE-306(2) French

Objectives for Learning french Language

- To develop basic Proficiency in reading, writing, speaking and listening to French language..
- To get prepare for DELF.
- To get a good job in France / French company.
- To spread the Indiana culture in France and all the french speaking country.

Unit-1	Alphabets Vowel and consonants, Genders, Numbers Article (indefinite) Pronunciation: orthographic rules concerning written account marks. Sentence structure, punctuation rules. Noun ; (Singular and plural) Pronouns Article : (definite) Adjective : (colours and shapes) Preposition
Unit-2	Les personnes :(the persons) Les choses : (the things) Les matières : (the materials) Basics verbs : (être, avoir, aller, faire) Ordinal numbers Possessive adjectives Le corps : (The body)
Unit-3	Verb : 1st group (present indefinite) Articles contracté L'heure (the time)
Unit-4	Verbs 2nd group Les jours – the days Les mois – the months L'année – the year Les saisons – the seasons Demonstrative adjectives Les measures – the measurement La maison – the house La famille- the family

Unit-5 Verbs 3rd group
Tense passé composé (past tense)
Partitive articles
Les repas – the meals
Tense Futur simple (future tense)

COURSE OUTCOMES

- By the end of the course, students should be able to :
- Confidently engage in various conversations in French, demonstrating clarity and fluency.
- Effectively listen to and understand spoken French in different accents and contexts.
- Write clearly and correctly in French for various purposes such as emails, letters and essays.
- Understand and critically analyze different types of written texts (articles, essays, literature, etc.).
- Contribute thoughtfully in group discussions, presentations, and debates.
- Deliver effective oral presentations with confidence, clarity, and the appropriate use of language.

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercise

Textbooks :

G. Mauger cours de langue et de civilisation français.(Volume 1)

Suggested books :

Modern French Course de Mathurin Dondo

Le Nouveau sans frontière volume 1

BDPHSE-307(1) सस्वरवेदपाठः

क्रेडिटः-03
घण्टेंः-45

उद्देश्य-

- वेदों की रक्षा करना।
- वेद, वेदो का विषय और वेदों के ऋषियों से लाभान्वित् होगें।
- वेद पाठ के हर प्रकार के पाठों से अवगत् कराना।
- अक्षरों(वर्णो) उच्चारण का सम्यक बोध कराना।

ईकाई-१ **(12 घण्टे)**

i. वैदिक वाङ्मय परिचय

ii. वेदो के ऋषियों, छन्द एवं देवताओं के स्वरूप का परिचय।

iii. वेदों के मुख्य विषयों का परिचय।

iv. वेद पाठ के आठ प्रकार के पाठों (जटा, माला, शिखा, रेखा, ध्वजा, दण्ड, रथ, घन)से अवगत कराना।

v. मुख्य सूक्तों का परिचय (अग्नि सूक्त, वायु सूक्त, वागाम्भृणी, बृहस्पति, स्वस्तिवाचन, पुरुषसूक्त, नासदीयसूक्त, शान्तिकरण श्रद्धा, संगठन एवं दिनचर्या मन्त्रों का सस्वर उच्चारण)

ईकाई-२ **(8 घण्टे)**

i. ऋग्वेदीय अग्नि सूक्त, वायु सूक्त, वागाम्भृणी सूक्त कण्ठपाठ अभ्यास एवं अर्थ सहित व्याख्या।

ईकाई-३ **(8 घण्टे)**

i. पुरुष सुक्त नासदीय सूक्त, बृहस्पति सूक्त कण्ठपाठ अभ्यास एवं अर्थ सहित व्याख्या।

ईकाई-४ **(12 घण्टे)**

i. कृष्ण युजर्वेदीय तैत्तीरीय आरण्यक मंत्रपुष्पम् का परिचय।

ii. मन्त्रपुष्पम् का पाठ एवं कण्ठस्थ अर्थ सहित व्याख्या।

iii. स्वस्तिवाचन शांतिकरण एवं दिनचर्यामंत्रो का सस्वर उच्चारण।

iv. संगठन सूक्त के प्रतिदिन एक-एक मंत्र का अर्थ बोध।

ईकाई-५ **(5 घण्टे)**

i. व्याकरण नियम विषयः (ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका) प्रकरण-55।

परिणाम-

- वेद पाठ के प्रकारों (पाठों) का बोध होगा।
- अग्नि,वायु, सस्वर, पाठ एवं अर्थ बोध होगा।
- वैदिक वाङ्मय के विषय मे ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- एकाग्रता बढ़ती है, सात्विक हारमोन्स पैदा होने से अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनन्दमय अस्तित्व पुष्ट और प्रसन्न होता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- वेदामृत, डॉ. साध्वी देवप्रिया, दिव्य प्रकाशन, हरिद्वार।

सहायक पाठ्यपुस्तक- वैदिक सुक्त मञ्जरी, मुद्रक-ऋषि ऑफसैट प्रिन्टर्स, ज्वालापुर हरिद्वार।

Credit-03

BDPHSE-307(2) Advance Knowledge of Music (Vocal & Instrumental)

Hours:-45

Objective-

- Understand the fundamental concepts of music, including its origins, methods, types, and
- Explore the nature of sound, its origin, and the elements of music such as notes, pitches, and rhythm.Learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics.Gain knowledge of basic musical notes, scales, and octaves.Practice to Sing five Bhajans.
- Understand the concept of Raag, its rules, classifications, and basic characteristics.Identify the ten Thaats and learn about their significance in Raag classification.Recognize three Raags belonging to each of the ten Thaats.
- Study the lives and contributions of prominent musicians.

Unit I- Basic Theory of Primary Raag (Yaman and Bhairav), Writing Skills of Chota khayal in Teentaal in Raag Yaman, Importance of Taal in Music, Labeled Diagram of Tabla, Biography & Role in Tabla – Pt.Kishan Maharaj, Labeled Diagram of Tanpura, its role & Significance in music. **(15 Hours)**

Unit II- Writing skill of one kaydas & One paltas each in Thah Laya in teentaal, Two Yog Geet .

(10 Hours)

Unit III- Practice of one Chota Khayal (Bandish) in Teentaal madhya laya with two Taan, Stage /Class Performance of One(Bhajan,Patriotic Song & Ghajal).

(10 Hours)

Unit IV- Tabla:- Bhajan Playing pattern on Tabla, One Palta in Teentaal. Ability to play Teentaal on Lehra . **(10 Hours)**

Harmonium : Playing Skill of **Aroh Avroh Pakad** in Following Raag (Bhopali, Malkaush,Bhairavi), Practice of One (bhajan, Motivational Song), playing skill of Alankar 1 to 10 (According to kramik pustak malika-1)

Outcomes-

- Students will know what music is, where it comes from, and the different types it can have.
- Students will understand how sound works and learn about notes, pitches, and how they change in music.They will learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics.Students will acquire knowledge of basic musical notes, scales, and octaves, and practice singing five Bhajans.
- Students will learn about Raag, its rules, and different types, helping them appreciate Indian classical music better.
- Students will discover the lives of famous musician and understand their importance in music history.

Recommended Books:-

1. Sangeet Rachna Ratnakar Part – 1- Rajkishor Prasad Sinha (Author)
2. Raag parichaya Part – 1 to 4 – Harishchandra Srivastava (Author)
3. Sangeet Prasnottar Part – 1
4. Taal Parichaya – All parts – Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
5. Adarsh Table Prashnotari Part – 1 – Dr. Rubi Shrivastava
6. Sangeet Praveshika – Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
7. Kramik Pushtak Mallika Part – All Parts – V.N. Bhatkhande
8. Bhartiya Sangeet Itihas – Umesh & Jaydev Joshi
9. Sangeet Vadya - Ragmani

क्रेडिट:-03
घण्टें:-45

BDPHSE-307(3) COMPUTER APPLICATION

Course Objectives:

After the completion of the course, students shall be able to:

1) Understand the basic mechanism and functionality of computer
2) To use computer efficiently for their educational & other purposes & needs

Total no. of hours : 30	Theory	Tutorial	Pracical
Hrs/Week	3	0	0
Scheme of Examination			
Total Marks : 50			
Theory : 50		Practical: 0	
Final Exam	Internal Assessment	Final Exam	Internal Assessment
		35	15

UNIT -I: Computer Fundamentals **15 Hours**

Block Diagram of a Computer Functions of the Different Units (Input unit, Output unit, CPU (ALU+CU)) , Input & Output Devices , Memories, Memory hierarchy, Registers and Types, Cache Memory , Primary Memory (RAM, DRAM and SRAM, ROM. Software, System Software and Application Software , Computer Languages: Machine language, Assembly language, High level language, Compiler, Assembler Interpreter.

UNIT -II: Number Systems and Boolean Algebra **8 Hours**

Bit, Byte, Nibble, Word, Binary Number, Binary Arithmetic (Addition, Subtraction, Multiplication, Division), Hexadecimal number system, Octal number system, Conversion between number systems,

UNIT III- MS Word, MS Power Point, MS Excel **18 Hours**

MS-Word: Creating a new document, Ribbon and Tabs, Font formatting (Size, style, color), Paragraph formatting(Alignment, indentation spacing), Bullets, page setup(margins, orientation, size), Headers and Footers, page numbering, creating and formatting tables, inserting and deleting rows and columns, Merging and splitting cells, sorting and filtering data in tables, adding images and shapes, mail merge,

MS- Power Point: Creating New Presentations, Saving Presentations, Adding Text to Slides, Working with Slide Layouts, Creating and Modifying Bullet Lists, Adding Background Colors, Using Gradients, Adding Images to Backgrounds, Applying Backgrounds to All Slides, Creating a Presentation ,Choosing a Template/Theme, Changing the Template/Theme ,Adding Slides & Typing in Content, Choosing a Slide Layout

,Changing the Slide Layout, Placing Pictures into Placeholders, Adding Shapes, Styling Shapes, Text Boxes, Creating Tables in PowerPoint ,Typing in Table Data ,Designing Tables

UNIT IV:

MS- Excel:

A brief description of the user interface for Microsoft Excel ,Manage elements of worksheets , Cells, Columns, Rows, Cell address, Examines and describes multiple means of entering data, Insert, delete, hide, and group rows and columns, functions: Sum, Average, Max, Min, If, Countif, Sumif, and Count Numbers, Changing a cell reference into a constant, which is necessary for certain calculations, Column Chart, Line Chart, Pie Chart, Freeze Panes

Text Books:

1. Rajaraman, Neeharika Adabala, Fundamentals of Computers 6th Edition , Prentice Hall India Learning Private Limited, 2014.
2. Morris. M. Mano, Digital Logic and Computer design, 3rd Edition, Prentice Hall India

Reference Books:

1. Malvino& Leach, Digital Computer and Applications, 4th Edition, Tata Mc-Graw Hill Company, 2015.
2. Reema Thareja, Fundamentals Of Computers 2nd Edition, Oxford University Press, 2026.

Course Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Understand the fundamental concepts of computer architecture, memory hierarchy, and input/output devices.
2. Explain the role of system and application software and various programming languages.
3. Perform number system conversions and basic binary arithmetic operations.
4. Create word documents , Presentations and worksheets

क्रेडिट:-03
घण्टें:-45

BDPHSE-307(4) –काव्यरचनाकौशलम्

उद्देश्य-

1- विद्यार्थियों में काव्य रचना की योग्यता विकसित करना।

2- अन्य पाठ्यक्रम के साथ साथ काव्यरचना की सूक्ष्म कला को सीखना ।

3- विविध शास्त्रों को सुगमता से जानना

परिणाम-

1. इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा होगा।
2. विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी।
3. इससे विद्यार्थी अन्य विषयों के अतिरिक्त ऐसी क्षमता प्राप्त कर सकेंगे जिससे उनमें नवीन रचना करने की योग्यता विकसित हो सकेगी।

इकाई-१ (क) दण्डी-वामन-रुद्रट-आनन्दवर्धन- राजशेखर-कुन्तक-क्षेमेन्द्र-मम्मट-विश्वनाथ-पण्डितराज जगन्नाथ-प्रभृतीनाम् आचार्याणां मतेन
काव्यप्रयोजन-काव्यहेतु-काव्यलक्षणानां सभेदोदाहरणं समीक्षात्मकम् अध्ययनम्।
(ख) ध्वन्यालोक: प्रथम उद्योत:
(ग) सद्योऽनुवाद: - अभ्यास:, परीक्षणञ्च **(११ घण्टें)**

इकाई-२ (क) अमरकोश: स्वर्ग-देव, ब्रह्म, अग्नि, यम, राक्षस, वायु, शीघ्र, विष्णु, मदन, लक्ष्मी, शम्भु, पार्वती, इन्द्र। **(११ घण्टें)**

इकाई-३ (क) काव्यमीमांसा (राजशेखरकृता) **(११ घण्टें)**
1, 2, 10, 14 अध्याया:
(ख) वृत्तरत्नाकरम् (केदारभट्टविरचितम्)
प्रथम अध्याय:, अधोलिखितानि छन्दांसि च -
अनुष्टुप्, आर्या, विद्युन्माला, उपेन्द्रवज्रा, इन्द्रवज्रा, उपजाति:, दोधकम्, स्वागता, वंशस्थम्, तोटकम्, द्रुतविलम्बितम्, कुसुमविचित्रा, भुजङ्गप्रयातम्, स्रग्विणी, वसन्ततिलका, मालिनी, पञ्चचामरम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, पुष्पिताग्रा।

इकाई-४ पद्यरचना, सद्योऽनुवाद:, मौखिकी लिखित-परीक्षा च। **(११ घण्टें)**

पाठ्यपुस्तकानि -

- ध्वन्यालोक: (आनन्दवर्धनाचार्य:)
  ज्ञानमण्डल लिमिटेड, आज भवन, सन्त कबीर मार्ग वाराणसी-221001
- कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य:
  चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- काव्यप्रकाश:, मम्मट,
  मोतीलाल, बनारसी दास दिल्ली, वाराणसी, पटना।
- काव्यमीमांसा - राजशेखर,
  बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना-800004।
- वृत्तरत्नाकरम् - केदारभट्ट,
  मोती लाल बनारसीदास बंगलो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-7।

BDPHVA-308 प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम्-III

घण्टें:-180

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Basic Preparatory Asanas as per previous semester

(Sukshma asana, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar)

Unit-1: Asanas (As per Gherand samhita) (32)

Sidhhasana, Padmasana, Bhadrasana, Muktasana,Vajrasana,Swastikasana, Simhasana, Gomukhasana, Veerasana, Dhanurasana, Mritasana, , Guptasana, Matsyasana, Matsyendrasana, Gorakshasana, Paschimottanasana, Utakasana, Sankatasana, Mayurasana, Kukkuttasana, Kurmasana, Uttanakurmasana, Mandukasana, Uttana mandukasana Vrikshasana, Garudasana, Shalbhasana, Makarasana, Ushtrasana, Bhujangasana, Yogasana

& Previous semester asanas.

Unit-2: Advance Yogasanas (8)

Ardha Baddha Padmottanasan, Saral Hasta Pdma Pindasan, Gajananasan, Padma Jhashasan, Trishoolpashasan, Ardha Padma Parivritta Parighasan, Ruchikasan-2, Pinch- Mayurasan & Previous semester asanas

Unit-3: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Sutra Neti, Vaman Dhauti (Kunjal Kriya), Dand Dhauti & previous semester practices

Unit-4: Pranayam, Mudra & Bandh

Sahit Pranayam, Suryabhedan Pranayam, Ujjayi Pranayam, Bhastrika Pranayam, Bhramari Pranayam, Sheetali pranayam & previous semester practices

Mudra: Nabho Mudra, Yoni Mudra, Tadagi Mudra, Shambhavi Mudra, Ashwini Mudra, Pashini Mudra, Kaki Mudra, & Previous Semester Practices

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan

- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

Reference Book: -

1) Balkrishna A., (2017), Yoga Vijnanam: Yoga ke goorh rahasyo ka darshanik v vaijnanik vivechan (first edition). Divya Prakashan.
2) Balkrishna A., (2007), Vijnan ki Kasauti Par Yoga (first edition). Divya Prakashan.
3) Research Publication by Patanjali Research Foundation, Divya Prakashan.
4) Sahay G.S., (), Hatha Pradipika of Swatmaram. Chaukhamba publication

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन प्रथम वर्ष

Semester-IV

क्रेडिट:-06

घण्टें:-90

BDPHMJ-401-वेदान्तदर्शनबोधः

उद्देश्य

- ब्रह्म की उपासना विविध अध्यात्म ग्रन्थों में वर्णित परिचय कराना।
- ब्रह्म जगत् एवं जीवात्मा के प्रति निमित्त कारणत्व सिद्ध कराना।
- वेदाध्ययन में मनुष्य मात्र का अधिकार एवं जगत् उत्पत्ति में प्रकृति का उपादान कारणत्व सिद्ध कराना।
- ब्रह्म जगत् एवं जीवात्मा के स्वरूप का बोध करना।

परिणाम

- ब्रह्म उपासना की विविध विधियों का परिचय।
- ब्रह्म के जगत के प्रति निमित कारण बताना।

इकाई प्रथम- जगत् के प्रति ब्रह्म का निमित्त कारणत्व, ब्रह्म का निमित्त कारणत्व, ब्रह्म के विभिन्न नाम, विभिन्न अध्यात्म ग्रन्थों में ब्रह्म का उपास्यत्व, वैश्वानर आत्मा, ब्रह्म का द्यौ-भू आदि का आयतनत्व, वेदाध्ययन में मनुष्य मात्र का अधिकार।प्रथम अध्याय का तृतीय एवं चतुर्थ पाद)जगदोत्पत्ति में प्रकृति का उपादान कारणत्व एवं ब्रह्म का निमित्त कारणत्व। स्वतन्त्र प्रकृति कारणवाद का निराकरण क्षणिकवाद आदि मतों का खण्डन, जीवात्मा का अनुत्पत्ति धर्मत्व एवं कर्त्तृत्व निरूपण।

(२२ घण्टें)

इकाई द्वितीय- स्मृति ग्रन्थों में प्रतिपादित उभयकारणवाद का समन्वय, स्वतन्त्रप्रकृतिकारणवाद का निराकरण, परमाणुवाद आदि मतों का निराकरण। आकाशादि भूतों की उत्पति एवं लय, जीवात्मा का नित्यत्व, अणुत्व एवं भोक्तृत्व धर्म, प्राणों की उत्पत्ति एवं स्वरूप। मुख्य प्राण का इन्द्रियों से भिन्नत्व।

(२२ घण्टें)

इकाई तृतीय - सूक्ष्म शरीर के साथ जीवात्मा का संरक्षण, परमात्मा का स्वरूप, जीवात्मा तथा परमात्मा का परस्पर सम्बन्ध परमात्मा का उपास्यत्व।जीवात्मा के साथ सूक्ष्म शरीर एवं प्राणादि का उत्क्रमण ब्रह्म उपासक का ब्रह्मलोक गमन, मुक्ति मे जीवात्मा की स्थिति।

(२२ घण्टें)

इकाई चतुर्थ - (चतुर्थ अध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद) परमात्मा के जागृत आदि अवस्था का प्रतिषेध परमात्मा का कर्मफ प्रदातृत्व।जीवात्मा के उत्पक्रमण काल में वांगादि इन्द्रियों के लीनत्व मुक्तात्मा का शरीर से उत्क्रमण, देवत्व मार्ग का निरूपण एवं मुक्तात्मा का ऐश्वर्य।

(२२ घण्टें)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

ब्रह्मसूत्र, आचार्य उदयवीर शास्त्री।

प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006

एवं ब्रह्मसूत्रम्, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

BDPHMJ-402-वेदान्तदर्शनस्मरणम्

इकाई प्रथम - प्रथम अध्याय के सूत्रों का स्मरण। (15 घण्टें)
इकाई द्वितीय - द्वितीय अध्याय के सूत्रों का स्मण। (15 घण्टें)
इकाई तृतीय - तृतीय अध्याय के सूत्रों का स्मण। (15 घण्टें)
इकाई चतुर्थ - चतुर्थ अध्याय के सूत्रों का स्मण। (15 घण्टें)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - संकलन कर्त्री- डॉ. साध्वी देवप्रिया ब्रह्मसूत्रम्, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

BDPHMJ-403-वेदान्तीयसम्प्रदायाः

क्रेडिटः-06
घण्टेंः-90

उद्देश्य-

- वेदान्त दर्शन के उत्तरोतर विकास से अवगत कराना।
- वेदान्त दर्शन के दार्शनिक मतों का अध्ययन कराना।

परिणाम

- विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के आधुनिक सम्प्रदायों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न दार्शनिक मतों की समीक्षा करने में सक्षम होगें।

इकाई प्रथम- अद्वैतवाद (शंकराचार्य) ब्रह्म, मायाजगत, विवर्तवाद, जीवविचार, अनिर्वचनीयतावाद। **(22 घण्टें)**

इकाई द्वितीय - विशिष्ट-अद्वैत (रामानुजाचार्य) प्रमुख आचार्य, स्रष्टि विचार, ब्रह्म, भक्ति, ईश्वर की अवधारणा। **(22 घण्टें)**

इकाई तृतीय - द्वैतवाद (माधावाचार्य) पदार्थ मीमांसा, जड़ चेतन ईश्वर भेद। **(22 घण्टें)**

इकाई चतुर्थ - द्वैताद्वैतवाद (निंबार्काचार्य) प्रमुख आचार्य, जड़ तत्व, ईश्वर विचार। **(22 घण्टें)**

शुद्ध अद्वैत (वल्लभाचार्य) - ब्रहम विचार, जगत विचार, पुष्टि मार्ग। **(22 घण्टें)**

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - सर्वदर्शन संग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा (ऋषि) प्रकाशक-चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
भारतीय दर्शन- आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर वाराणसी।

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

BDPHMN-404 – संस्कृतसाहित्यम् -IV

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- विद्यार्थियों को उपनिषदों के परिचय के साथ इस के विषय में ज्ञान प्रदान कराना।
- विद्यार्थियों को उपनिषदों में सन्निहित अध्यात्मविद्या तथा सांसारिक व्यवहार की दिव्यता का बोध कराना।
- विद्यार्थियों को उपनिषदों में सन्निहित ईश्वर जीव प्रकृति के सच्चे स्वरूप से अवगत कराना।

परिणाम-

- विद्यार्थी उपनिषद् में सन्निहित विषय से पूर्णरूप से अवगत हो जाता है।
- विद्यार्थी उपनिषदों के गहन अध्ययन से देश काल परिस्थिति में विचलित नहीं होता उस के जीवन में ठहराव आ जाता है।
- विद्यार्थी के जीवन में सुख-शान्ति व दिव्यता का आधान होता है।

इकाई-1 **(15 घण्टें)**

1.1 उपनिषद् शब्द का अर्थ एवं निर्वचन।
1.2 उपनिषदों का संक्षिप्त परिचय।
1.3 उपनिषदों में ओंकार (ईश्वर/ब्रह्म/परमात्मा) का स्वरूप।
1.4 गायत्री मंत्र का माहात्म्य।

इकाई-2 **(15 घण्टें)**

2.1 उपनिषदों में आत्मा, मन व इन्द्रियों का स्वरूप।
2.2 उपनिषदों में शिक्षा व्यवस्था।
2.3 उपनिषदों में राजनैतिक व्यवस्था।
2.4 उपनिषदों में पंचकोश का स्वरूप।

इकाई-3 **(15 घण्टें)**

3.1 सिद्ध योगी का विराट् स्वरूप एवं सिद्धि के उपाय।
3.2 उपनिषदों में प्राणविद्या।
3.3 उपनिषदों में आनन्द की मीमांसा।
3.4 उपनिषदों में शाश्वत् सुख (भूमा) की प्राप्ति।

इकाई-4 **(15 घण्टें)**

4.1 शरीर की नदी के रूप में उपमा।
4.2 अजा तथा अज का वर्णन (प्रकृति एवं पुरुष का वर्णन)।
4.3 श्वेताश्वरोपनिषद् में ब्रह्म का स्वरूप।
4.4 उपनिषदों में सृष्टि रचना।

सहायक ग्रन्थ-

उपनिषद् संदेश, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।
एकादशोपनिषद्, सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार।
ईशादि नौ उपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर।

क्रेडिट:-02

घण्टें:-30

BDPHAE-405 – Spanish

Course Objectives:

- Develop proficiency in speaking, listening, reading, and writing in Spanish for effective communication.
- Build confidence in students to use Spanish in various social and professional contexts.
- Help students speak fluently and coherently in both formal and informal settings.
- Strengthen vocabulary, grammar, and pronunciation to enable students to express themselves accurately and appropriately.
- Develop active listening skills for better comprehension in conversations, lectures, and presentations.
- Improve students' ability to understand, analyze, and interpret written texts, enhancing critical thinking.

Unit-1	Introduction to the language, its scope, alphabets & pronunciation Days of the Week, Months of the Year, Date & numbers (01-100) Colours Saludos Greetings; Pronoun (I, you, he, she, they etc.) Classification of Verbs (-ar/ -er/ -ir) ; concept of Conjugation & conjugation of –er,ir and ar ending verb
Unit-2	Article&Gender ; Stationary stuffs; Number&Adjectives (personal) Ser & Estar Tener Expressions Possessive adjective;
Unit-3	Verbos : Irregular (o-ue,i-e,i-ie) Seasons;

	Time Directions; Negative Sentence Structure; Interrogative sentence structure La Hora (the time)
Unit-4	Verbs Irregular Uses of Hay; Parts of body; audio Demonstrative adjectives (este/esta etc.) La Casa Los Animales
Unit-5	Verbs future and sentences Tense preterite (past tense) La comida – the meals Subjentivo and Imperitivo
	Suggested books: Vivos libro de alumno- 1-2 , Aula 1 **Website** – www.espanol.lingolia.com www.deleahora.com **App-** Lingolia spanish Spanish dictionary

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercises

Course Specific outcomes

By the end of the course, students should be able to:

- Confidently engage in various conversations in Spanish, demonstrating clarity and fluency.
- Effectively listen to and understand spoken Spanish in different accents and contexts.
- Write clearly and correctly in Spanish for various purposes such as emails, letters and essays.
- Understand and critically analyze different types of written texts (articles, essays, literature, etc.).
- Contribute thoughtfully in group discussions, presentations, and debates.
- Deliver effective oral presentations with confidence, clarity, and the appropriate use of language.

BDPHVA-406 – प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम्-IV

घण्टें:-180

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Basic Preparatory Asanas as per previous semester

(Sukshma Yogic vyayam, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar)

Unit-1: Asanas (19)

Kati Vakrasan, Pad Dandasan, Dhanushtankarasan**,** Lasyasan, Konasan, Trikonasan, Parshvottanasan, Padma garbhasan, kukkutasan, Supta Padmasan, Supta Vajrasan, Gorakshasan, Merudandasan, Chaturangasan, purvottanasan, Supta Paschimottanasan, Kati Uttanasan, Kandharasan, Setubandhasan **& Previous semester asanas.**

Unit-2: Advance Yogasanas (10)

Supta trivikramasan, Supta Tittibhasan, Padangushtha Nasasparshasan, Omkar Asan, Padma Bakasan, Pad Skandhasan, Dwipad Skandhasan, kailashasan, Vishwamitrasan, kaundinyasan & Previous semester advance asanas

Unit-3: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Sutra Neti, Vaman Dhauti (Kunjal Kriya), Dand Dhauti & previous semester practices

Unit-4: Pranayam, Mudra & Bandh

Bahyavritti- Pranayam, Abhyantarvritti Pranayam, Stambhavritti Pranayam, Bahyabhyantarvishayakshepi Pranayam & previous semester practices

Hasta Mudra- Jnana Mudra, Vayu Mudra, Shoonya Mudra, Prithvi Mudra, Prana Mudra & previous semester practices

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan
- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

Reference Book: -

5) Balkrishna A., (2017), Yoga Vijnanam: Yoga ke goorh rahasyo ka darshanik v vaijnanik vivechan (first edition). Divya Prakashan.

6) Balkrishna A., (2007), Vijnan ki Kasauti Par Yoga (first edition). Divya Prakashan.

7) Research Publication by Patanjali Research Foundation, Divya Prakashan.

8) Arya S., (2016), Patanjal Yoga Darshan: Vyasbhashya evam Bhojvritti Sahit. Ved Yoga Charitable Trust

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन प्रथम वर्ष

Semester-V

क्रेडिट:-06
घण्टें:-90

BDPHMJ-501-वैशेषिकदर्शनबोधः

उद्देश्य- 1. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों का स्मरण करवाना।
2. वैशेषिक दर्शन के अर्थ से अवगत कराना।

परिणाम- 1. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों को शुद्धतापूर्वक स्मरण करके वाचन में विद्यार्थी समर्थ हो जाता है।
2. द्रव्यादि षट् पदार्थों का सामान्यज्ञान एवं नौ द्रव्यों तथा पांच कर्मों का विशेष ज्ञान अर्जित कर लेता है।

प्रथम इकाई - प्रथम अध्याय-धर्म लक्षण और द्रव्य, गुण, कर्म, उद्देश्य, लक्षण प्रकरण साधर्म्यवैधर्म्य प्रकरण परसामान्य अपरसामान्य निरुपण पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश, (पंचमहाभूत) द्रव्य परीक्षा प्रकरण। काल, दिशा, परीक्षा प्रकरण, शब्द नित्यतत्वा प्रकरण हेतु एवं हेत्वाभास लक्षण निरुपण। **(22 घण्टें)**

द्वितीय इकाई -चतुर्थ अध्याय - मन, आत्मा, परीक्षा प्रकरण, परमाणुकारणातावाद, कारण कार्य सिद्धान्त। **(22 घण्टें)**

तृतीय इकाई - पंचम अध्याय एवं षष्टा - उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण, गमन, कर्म निरूपण, धर्मा अधर्म विचार।

चतुर्थ इकाई - सप्तम अध्याय - रूप, रस, गन्ध, स्पर्श गुण परीक्षा प्रकरण संख्या परिमाण परीक्षा प्रकरण। प्रत्कत्वा, संयोग, विभाग, परत्व और अपरत्व परीक्षा प्रकरण। **(22 घण्टें)**

पंचम इकाई - अष्टम, नवम एवं दशम् अध्याय-प्रत्यक्षात्मक ज्ञान परीक्षा प्रकरण, अनुमित्यात्मक ज्ञान परीक्षा प्रकरण, अभाव परीक्षा प्रकरण, सुख, दुख परीक्षा प्रकरण। **(22 घण्टें)**

निर्धारित पाठ्यपुस्तकः- वैशेषिक दर्शन- आचार्य उदयवीरशास्त्री, प्रकाशक-गोविन्दराम हासानन्द, वैशेषिक दर्शन-आचार्य आनन्दप्रकाश, प्रकाशक-आर्श-शोध-संस्थान अलियाबाद। वैशेषिक दर्शन- डॉ.साध्वी देवप्रिया,प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन, हरिद्वार।

क्रेडिट:-06
घण्टें:-90

BDPHMJ-502 पाश्चात्यदर्शनम्-१

उद्देश्य-

- पाश्चात्य दर्शन का सामान्य बोध कराना।
- पाश्चात्य दर्शन के ज्ञान मीमांसा एवं तत्व मीमांसा को भारतीय संदर्भ में समझना।

परिणाम-

- विद्यार्थीयों को पाश्चात्य दर्शन के मूल सिद्धांन्तो की समझ होगी।
- सृष्टि एवं प्रकृति के मूल तत्वों और प्रक्रिया को समझने में सहायता प्राप्त होगी।

प्रथम इकाई- **(22 घण्टें)**
ग्रीक दर्शन का इतिहास एवं परिचय

द्वितीय इकाई-ग्रीक दर्शन के प्रमुख विचारक और सिद्धांत **(22 घण्टें)**
थेल्स: ब्रह्माण्ड की उत्पति का सिद्धांत
जेनोफेंस: प्रकृतिवाद
पाइथागोरस: अमूर्तवाद

तृतीय इकाई- हीराक्लिटस: परिवर्तनवाद **(22 घण्टें)**
पार्मेनेडीज: नित्यवाद
जेनो: व्याघात के नियम
प्रोटेगोरस: नैतिक मापदंड
जॉर्जियस: सत्य का सिद्धांत

चतुर्थ इकाई -सुकरात: सद्गुण, द्वन्द्वात्मक पद्धति **(22 घण्टें)**
प्लेटो: ज्ञान मीमांसा, जगत, आत्मा
अरस्तु: द्रव्य और स्वरूप, ईश्वर।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:- चन्द्रधर शर्मा भारतीय दर्शन, मनोहर प्रकाशन वाराणसी।

BDPHMN-503 संस्कृतसाहित्यम्-V

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

उद्देश्यः-

परिणामः-

प्रथम इकाई- प्रथम एवं द्वितीय अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

द्वितीय इकाई- तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

तृतीय इकाई- पंचम एवं षष्ट अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

चतुर्थ इकाई- सप्तम, अष्टम एवं नवम् अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ -

श्रीमद्भगवद्गीता गीतामृत व्याख्याकार- स्वामी रामदेव दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

BDPHSE-504 समन्वितचिकित्सापद्धतिः

क्रेडिटः-04
घण्टेंः-60

उद्देश्य :

- भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति के समन्वित् स्वरूप का बोध कराना ।
- समन्वित चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अभ्यास द्वारा साध्य एवं असाध्य रोगो का निदान।
- योग, आयुर्वेद, पञ्चकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी, आहार चिकित्सा, यज्ञचिकित्सा, एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं फिजियो थैरेपी जैसे समन्वित् भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक बोध द्वारा योग्य एवं प्रशिक्षित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

प्रथम इकाई- पञ्चकर्म- परिचय, प्रकार एवं विभिन्न रोगों में उपचार (15 घण्टें)

1) वमन
2) विरेचन
3) नस्य
4) बस्ति
5) रक्तमोक्षण

अभ्यंग, शिरोधारा, आंतरिक बस्ति, बाह्य बस्ति, अक्षितर्पण, नस्य, रक्तमोक्षण श्रृंगी, वातमोक्षण, स्नेहन, स्वेदन।

द्वितीय इकाई- षट्कर्म-परिचय, प्रकार एवं विभिन्न रोगों में उपचार (15 घण्टें)

1) जलनेति
2) रबड़नेति
3) कुंजल क्रिया
4) त्राटक
5) शंखप्रक्षालन

तृतीय इकाई- एक्यूप्रेशर (15 घण्टें)

1) परिचय, रोगानुसार, चिकित्सीय लाभ
2) हस्त एवं पैर के विभिन्न मर्म स्थानों के द्वारा चिकित्सा

चतुर्थ इकाई- प्राकृतिक चिकित्सा-सामान्य परिचय एवं रोगानुसार चिकित्सीय लाभ (15 घण्टें)

1) मिट्टी चिकित्सा
2) जल चिकित्सा
3) सूर्य चिकित्सा
4) आहार चिकित्सा
5) आकाश चिकित्सा (उपवास)
6) प्राण चिकित्सा (वायु)

परिणाम :

- समन्वित चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित विद्यार्थी समाज में साध्य-असाध्य रोगों से पीडित रोगियों को उपचार देकर उन्हें सम्पूर्ण आरोग्य का लाभ प्रदान करता है एवं भारतीय पुरातन चिकित्सा व्यवस्था के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है ।
- सेवा निष्ठ आजीविका का आलम्बन लेकर स्वयं आत्मनिर्भर होता हुआ अन्यों को भी रोजगार परक सेवा क्षेत्र में नियोजित करता है, उपकार परख उपचार की एक स्वस्थ परम्परा का संवाहक बनकर समाज को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के मार्ग पर अग्रसर करता है ।

पाठ्यपुस्तकम्- उपचार पद्धति, प्रकाशन- द्विव्य प्रकाशन, द्विव्य योग मन्दिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

घण्टें:-180

BDPHVA-506 प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम्-V

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Basic Preparatory Asanas as per previous semester

(Sukshma asana, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar)

Unit-1: Asanas (14)

Garudasan, Hasta Padangushthasan, Trikonasan, Utthita Trikonasan, Parivritta Parshva Konasan, Ardha Chandrasan, Yoga Mudrasan 1, 2, Vakrasan, Ardha Matsyendrasan, Brahmacharyasan, Tolangulasan, Utkatasan, Marjarasan, & Previous semester asanas.

Unit-2: Advance Yogasanas (10)

Baddha Padmasan, Ardha Baddha Paschimottanasan, Saraghasan, Utthita Tittibhasan, Rajkapotasan, Trivikramasan, Malayasan, Sarasasan, Pakshi Asan, Ashta Vakrasan & Previous semester asanas

Unit-3: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Sutra Neti, Dand Dhauti, Vastra Dhauti, Nauli, Sheetkram Kapalbhati & previous semester practices

Unit-4: Pranayam, Mudra & Bandha

8 Pranayam as per the protocol of PYP & previous semester practices

Hasta Mudra: Apan Mudra, Apan Vayu Mudra, Surya Mudra, Varun Mudra, Linga Mudra, Dharana Shakti Mudra

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan
- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

Reference Book: -

9) Balkrishna A., (2017), Yoga Vijnanam: Yoga ke goorh rahasyo ka darshanik v vaijnanik vivechan (first edition). Divya Prakashan.

10) Balkrishna A., (2007), Vijnan ki Kasauti Par Yoga (first edition). Divya Prakashan.

11) Research Publication by Patanjali Research Foundation, Divya Prakashan.

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन तृतीय वर्ष

Semester-VI

BDPHMJ-601 मीमांसाज्योतिषप्रबोधः

उद्देश्य- 1. मीमांसा दर्शन का बोध।
2. मीमांसा दर्शन के आचार्यों का ज्ञान।
3. ज्योतिष्य का सामान्य परिचय कराना।
4. कुण्डली निर्माण इत्यादि का बोध कराना।

प्रथम इकाई- धर्मजिज्ञासाधिकरणम्, धर्मलक्षणाधिकरणम्, धर्मे प्रामाण्यपरीक्षाधिकरणम्, धर्मस्य प्रत्यक्षाद्यगम्यत्वाधिकरणम्, धर्मे चोदनाप्रामाण्याधिकरणम्, शब्दनित्यत्वाधिकरणम्, पदार्थमूलतया वाक्यार्थप्रामाण्याधिकारणम्, वेदाऽपौरुषेयत्वाधिकरणम् (15 घण्टें)

द्वितीयइकाई- ज्योतिष शास्त्र का परिचय ज्योतिष शास्त्र के भेद(सिद्धान्त, संहिता, होरा, वास्तु, रमल, प्रश्न, शकुन, ताजिकादि का परिचय), ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का परिचय, ज्योतिषशास्त्र का विकासक्रम, आर्यभट, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीपति, भास्कर, कमलाकर, सामन्तचन्द्र शेखर आदि का परिचय, ज्योतिषशास्त्रीय प्रमुख कृतियां, सूर्यसिद्धान्त, पंचसिद्धान्तिका, बृहत्संहिता, सिद्धान्तशिरोमणि, बृहज्जातक आदि का परिचय । (15 घण्टें)

तृतीय इकाई- पंचांग परिचय -- तिथि,वार,नक्षत्र,योग,करण,अयन,गोल,पक्ष, ऋतु , मासादि का परिचय, कालमान विचार, नवविध कालमान ब्राह्म दिव्य गौरव प्राजापत्य सौर नाक्षत्र आदि कालमानों का परिचय, शक संवत् विचार । (15 घण्टें)
राशि परिचय राशि स्वरूप राशि स्वामी राशि स्वभाव राशि वर्ण राशि स्थान कालपुरूष विवेचन, ग्रह परिचय ग्रह स्वरूप उच्च नीच विचार मूलत्रिकोण आत्मादि विचार राजादि विचार, ग्रहबलविचार एवं मैत्री विचार, षड्बलविचार नैसर्गिक एवं तात्कालिक मित्रामित्र विचार पंचधा मैत्री विचार, (मित्र, सम, शत्रु आदि का विचार)

चतुर्थ इकाई- कुण्डली परिचय, कुण्डली का सामान्य परिचय द्वादश भाव विचार, भावकारक ग्रह विचार,भावों की केन्द्रादि संज्ञा विचार, विविध भावों से विचारणीय विषय ग्रहों से विचारणीय विषय, वर्ग परिचय षड्वर्ग सप्तवर्ग दशवर्ग षोडशवर्ग, दशा परिचय विंशोत्तरी दशा अष्टोत्तरी दशा, योगिनी दशा । (15 घण्टें)

परिणाम- 1. मीमांसा दर्शन के दार्शनिकों का परिचय।
2. मीमांसा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय।
3. ज्योतिष्य का सामान्य परिचय।
4. कुण्डली निर्माण इत्यादि का बोध।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- मीमांसा दर्शन-आचार्य उदयवीर शास्त्री प्रकाशकर विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली मुहर्त्तचिंतामणि, भारतीय ज्योतिष, भारतीय कुंडली विज्ञान, लघुजातमकम्, जातकालंकार, जातकपारिजात, ताजिकनीकंठी, षट्पंचाशिका, जातकतत्वम्, सूर्यसिद्धान्त।

BDPHMJ-602 – भारतीय दर्शनों की मीमांसा एवं इतिहास

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

उद्देश्य-

- योग-सांख्य, न्याय-वैशेषिक, वेदान्त-मीमांसा तथा जैन बौद्ध दर्शनों के तत्वमीमांसा, ज्ञान मीमांसा तथा आचार मीमांसा से परिचित कराना।

प्रथम इकाई- दर्शन का अर्थ तथा उपयोग, भारतीय दर्शन की कतिपय विशेषताएं, भारतीय दर्शन का लक्ष्य, भारतीय दर्शनों का श्रेणी-विभाग, भारतीय दर्शनों का काल विभाग, भारतीय दर्शनों की पारस्परिक समानता। 10 घण्टे

द्वितीय इकाई- न्यायदर्शन-नामकरण, न्यायविद्या की उत्पत्ति, न्याय दर्शन के प्रसिद्ध आचार्य, प्रमाण मीमांसा, तत्व मीमांसा और आचार मीमांसा। वैशेषिक दर्शन-नामकरण, वैशेषिक दर्शन के आचार्य, वैशेषिक की प्राचीन व्याख्यायें, तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, कर्तव्य मीमांसा। 13 घण्टे

तृतीय इकाई- सांख्यदर्शन-परिचय, सांख्यदर्शन के प्रसिद्ध आचार्य, तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, कर्तव्य मीमांसा। योगदर्शन-परिचय, योगदर्शन के आचार्य, कर्त्तव्य मीमांसा, योग-मनोविज्ञान। 13 घण्टे

चतुर्थ इकाई- मीमांसा दर्शन-परिचय, मीमांसा का इतिहास, मीमांसा दर्शन के आचार्य, तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, आचार मीमांसा। वेदान्त दर्शन- परिचय, वेदान्त के प्रमुख आचार्य, वेदान्त का इतिहास, तत्व मीमांसा, आचार मीमांसा। 14 घण्टे

पंचम इकाई- जैन धर्म का उदय तथा विस्तार, जैन परमाण साहित्य, ज्ञान मीमांसा, तत्व समीक्षा, आचार मीमांसा, बौद्ध दर्शन -बुद्ध की आचार शिक्षा, त्रिरत्न, सत्य की मीमांसा, निर्वाण का स्वरूप, निष्कर्ष। 10 घण्टे

परिणाम-

- भारतीय दर्शन साहित्यों के इतिहास एवं महत्व को अधिगम कर लेता है।
- भारतीय दर्शनों के तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा एवं आचार मीमांसा का तुलनात्मक विश्लेषण करने में समर्थ हो जाता है।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकः- भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास आचार्य डॉ. जयदेव आर्य, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, नई दिल्ली

BDPHMJ-603 – पाश्चात्यदर्शनम्-II

क्रेडिट:-06
घण्टें:-90

उद्देश्य:-

- विद्यार्थी को पाश्चात्य दर्शन का विशलेषणात्मक अध्ययन में सहायता मिलेगी।
- पाश्चात्य दर्शन के विभिन्न चिंत्तको की दार्शनिक पद्वतियों का बौद्ध होगा।

परिणाम:-

- विद्यार्थी पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न अवधारणात्मक परम्परा से अवगत होगा।
- विद्यार्थी बुद्धिवाद एवं अनुभववाद के सिद्धान्तों से परिचित होगा।

प्रथम इकाई- आधुनिक दर्शन का इतिहास एवं परिचय (25 घण्टें)

द्वितीय इकाई- बुद्धिवाद के प्रमुख विचारक (25 घण्टें)

रेने देकार्त - जड़ चेतन, क्रिया प्रतिक्रियावाद

स्पिनोजा - द्रव्य, समानांतरवाद

लाईबनिट्ज - चिदणुवाद

तृतीय इकाई- अनुभववाद के प्रमुख विचारक (25 घण्टें)

जॉन लॉक - द्रव्य, मूल गुण, गौण गुण

डेविड ह्यूम - संशयवाद

बर्कले - व्यक्तिनिष्ठ आदर्शवाद

चतुर्थ इकाई- समीक्षावाद (15 घण्टें)

एमैनुअल कांट- ज्ञान मीमांसीय अवधारणा, दिक्-काल

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ -

पाश्चात्य दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, प्रो. जगदीश सहाय श्रीवास्तव, किताब महल, इलाहाबाद।

BDPHMN-604 - संस्कृतसाहित्यम्-VI

क्रेडिट:-04
घण्टें:-60

उद्देश्यः-

परिणामः-

प्रथम इकाई- दशम् एवं एकादश अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

द्वितीय इकाई- द्वादश, त्रयोदश एवं चर्तुदश अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

तृतीय इकाई- पंचदश, षोडश एवं सप्तदश अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

चतुर्थ इकाई- अष्टादश अध्याय (श्लोक स्मरण एवं अध्याय सार) **(15 घण्टें)**

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ - श्रीमद्भगवद्गीता गीतामृत व्याख्याकार- स्वामी रामदेव दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

BDPHRE-605 लघुशोधप्रबन्धः

क्रेडिटः-04
घण्टेंः-60

उद्देश्य-

1. लघु शोध प्रबन्ध द्वारा लेखन एवं चिन्तन प्रक्रिया का विकास कराना।
2. विद्यार्थी को विश्लेषणात्मक कौशल की अभिवृद्धि कराना।
3. शोध प्रक्रिया एवं लेखन में अभिवृद्धि कराना।

परिणाम-

1. लघु शोध प्रबन्ध द्वारा विद्यार्थियों में संदर्भ ग्रन्थों की जानकारी होगी।
2. शोध प्रक्रिया को समझने में सहायता मिलेगी।
3. विभिन्न मतों एवं सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन में अभिवृद्धि होगी।

Unit 1

Introduction and definition to the Research Methodology. **(15 घण्टें)**

Unit 2

Research Problem, purpose and process/steps. **(30 घण्टें)**

4- Title
5- Abstract
6- Introduction
7- Literature Review
8- Objectives
9- Hypothesis
10- Methodology
11- Outcomes/Result
12- References

Unit 3 **(15 घण्टें)**

Dissertation Writing. (100 page minimum)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक-

Research Methodology: Ranjeet Kumar Publisher Pearson Education India 2005.

घण्टें:-180

BDPHVA-606 प्रयोगात्मकं योगविज्ञानम्-VI

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, contraindications and procedure of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.
- Teach the yoga practices to any given group.

Basic Preparatory Asanas as per previous semester

(Sukshma yogic vyayam, Yogic jogging, Dand Baithak, Surya Namaskar)

Unit-1: Asanas (18)

Yogamudrasan, Supta Padmasan, Mandukasan, Shashakasan, Janushirasan, Marichayasan, kurmasan, Merudandasan, Vrishabhasan, Konasan, Trikonasan, Ardha Parshvottanasan, Parshvottanasan, Uttan Padasan, Naukasan, Jatharasan, Viparit Naukasan, Shalabhasan & Previous semester asanas.

Unit-2: Advance Yogasanas (10)

Purna Shalabhasan, Gand Bherundasan, Supta Dimbasan, Supta Trivikramasan, Kokilasan, Bakasan, pratyanchasan, Tandavasan, Pashasan, Vishwamitrasan, & Previous semester asanas

Unit-3: Shatkarma (Shuddhi Kriya)

Sutra Neti, Dand Dhauti, Vastra Dhauti, Nauli, Sheetkram Kapalbhati & previous semester practices

Unit-4: Pranayam & Mediatation

8 Pranayam as per the protocol of PYP & previous semester practices

Nabhi-Chakra Dhyan, Kanthakoop Dhyan, Hriday Dhyan, Ajna Chakra Dhyan, Gayatri Dhyan

Text Book: -

- Ramdev, S., (2022), Yoga Sadhna Evam Yoga Chikitsa Rahasya. Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (Under Publication), Yoga Vishwakosh. Divya Prakashan
- Ramdev S., (2009), Pranayam Rahasya. Divya Prakashan.

Reference Book: -

- Balkrishna A., (2017), Yoga Vijnanam: Yoga ke goorh rahasyo ka darshanik v vaijnanik vivechan (first edition). Divya Prakashan.
- Balkrishna A., (2007), Vijnan ki Kasauti Par Yoga (first edition). Divya Prakashan.
- Research Publication by Patanjali Research Foundation, Divya Prakashan.